अंक- 02 राजभवन, उत्तर प्रदेश

नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी 2020-21

राजभवन उमंग

त्रैमासिक पत्रिका

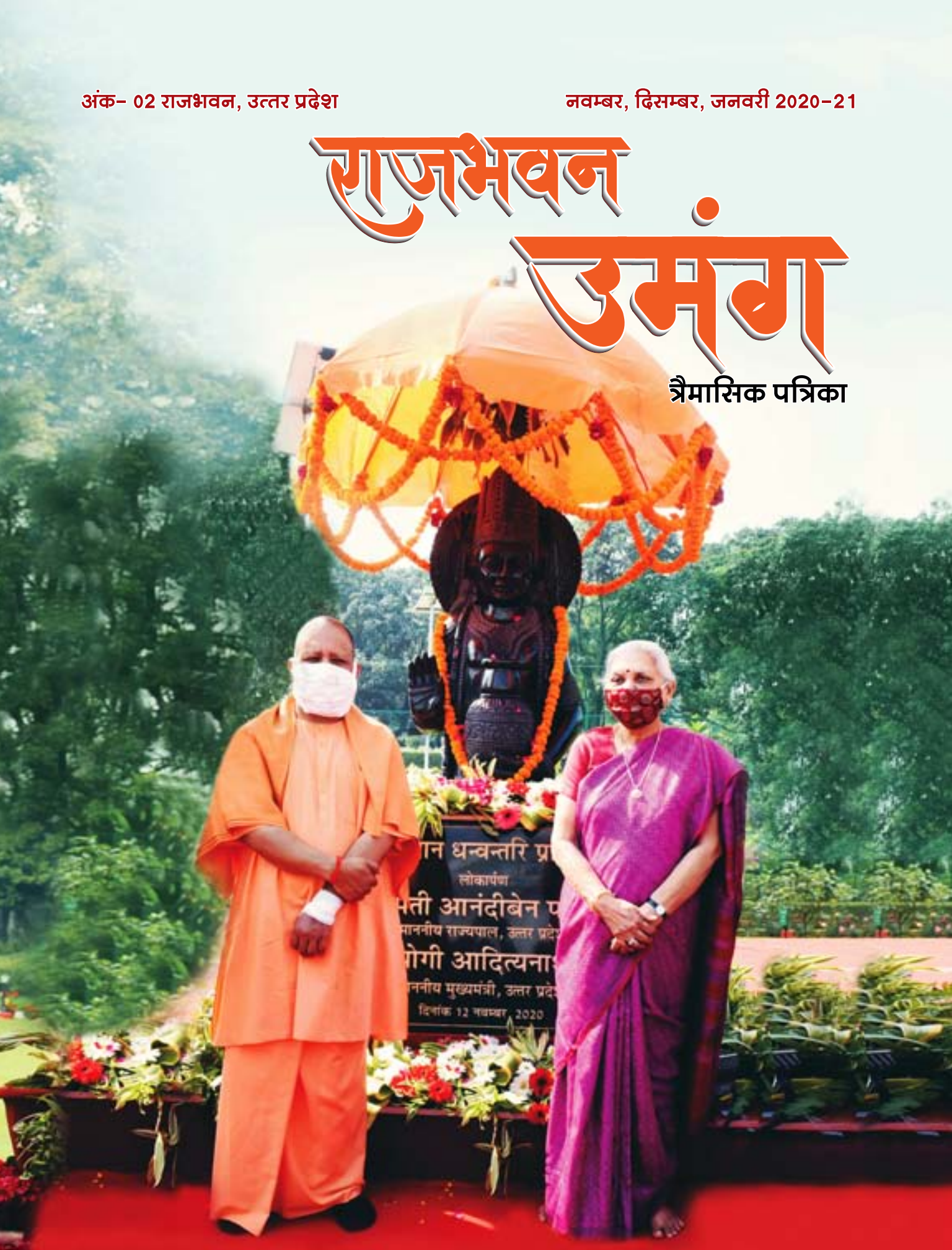

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में रंगोली

सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर राजभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की मा. राज्यपाल ने।

महात्मा गांधी को शहीद दिवस पर राजभवन में श्रृद्धासुमन अर्पित करती हुई मा. राज्यपाल।

अंक– 02 राजभवन, उत्तर प्रदेश

नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी 2020–21

राजभवन उमंग

त्रैमासिक पत्रिका

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा. राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पेज न.
1.	लखनऊ राजभवन में जूडो	01
2.	परिवार अच्छा चाहिये तो बाल्यावस्था की चिन्ता करें	02
3.	राज्यपाल के हाथों सम्मान पाकर गौरवान्वित हुये कोरोना वारियर्स	03
4.	बच्चों में आनन्दमयी शिक्षा की परिकल्पना के साथ नयी शिक्षा नीति	04
5.	सभी मेडिकल कालेज गंभीर विषयों पर शोध करें	05
6.	कुलपति एवं उच्च अधिकारियों की राजभवन में बैठक	06
7.	लाकडाउन ने आपदा को अवसर में बदलने का मौका दिया	08
8.	आचार्य विनाबा भावे की करूणा और संवेदना से पूरी मानवता प्रभावित थी	09
9.	इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थान सामाजिक सरोकारों से जुड़ें	10
10.	भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा का राजभवन में अनावरण	12
11.	विश्वविद्यालय नये लक्ष्य एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक कदम उठाएं	13
12.	राज्यपाल ने नारी बंदी निकेतन गोसाईगंज में कैदियों से भेंट की	15
13.	राजभवन में चिकनकारी एवं जरदोजी प्रशिक्षण	16
14.	कोरोना काल में नगर निगम का कार्य सराहनीय	17
15.	दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये विशेष शिक्षा व्यवस्था	19
16.	'अतुल्य गंगा परियोजना' का आनलाइन शुभारम्भ	21
17.	विश्वविद्यालय खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा दें	22
18.	शिक्षार्थी में विनम्रता एवं सेवाभाव विकसित करें	24
19.	बायोगैस से ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा	26
20.	किसान उत्पादक संगठन सभी क्षेत्र में गठित हो	27
21.	अटल जी लोकतांत्रिक एवं मानवतावादी मूल्यों की प्रतिमूर्ति थे	28
22.	माननीय राज्यपाल महोदया की प्रेरणा से राजभवन में खेलकूद प्रतियोगिता	29
23.	सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान का शुभारम्भ	31
24.	वाराणसी में आंगनवाड़ी प्रशिक्षण का कार्यक्रम	32
25.	हर जिले में एक आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्र हो	34
26.	आंगनवाड़ी केन्द्रों को खेलकूद सामान, पठन–पाठन सामग्री एवं पौष्टिक आहार का वितरण	35
27.	महिला सशक्तीकरण का सीधा मतलब उनका आत्मनिर्भर होना	37
28.	2025 तक क्षय रोग को भारत से समाप्त करने का संकल्प	38
29.	सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिये युवा आगे आयें	39
30.	स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद सराहनीय	40
31.	चिकित्सकों द्वारा आपदा में किया गया कार्य सराहनीय	41
32.	स्वयं सहायता समूह से समाज में एकता एवं समरसता	42
33.	छात्र अपनी समृद्धि के साथ गांव–गिरांव को जोड़ें	43
34.	विनोबा जी का सहज एवं सरल जीवन अध्यात्मिकता और जिज्ञासा का समन्वय	45
35.	राज्यपाल की अध्यक्षता में चौरी–चौरा शताब्दी समारोह की राज्य स्तरीय समिति की बैठक	46
36.	बंदी निकेतन में सीखे हुनर से स्वावलम्बी बने	48
37.	विश्वविद्यालय शिक्षण कार्य के साथ–साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ें	49
38.	महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और उसका सही दिशा में सदुपयोग करें	50
39.	महिलायें आत्मनिर्भर होकर मिशाल कायम करें	51
40.	छायाचित्रों में राजभवन की गतिविधियां	53
41.	समाचार पत्रों में राजभवन की गतिविधियां	59

प्रधान सम्पादक की कलम से...

त्रैमासिक पत्रिका का यह अंक बहुआयामी एवं बहुरंगी है जिसमें विविध पक्षों को समेटने का प्रयास किया गया है। प्रदेश में कोरोना महामारी का प्रकोप कम होने के पश्चात माननीया राज्यपाल महोदया की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से राजभवन उत्तर प्रदेश की गतिविधियों में तेजी आई है। नवम्बर, दिसम्बर व जनवरी के त्रैमास में माननीया के कुशल निर्देशन में कुल 43 बहुउद्देशीय एवं बहुआयामी कार्यक्रम राजभवन के अन्दर तथा बाहर सम्पन्न हुये, जिसमें विश्वविद्यालयों के दीक्षान्त, कोरोना योद्धाओं का सम्मान, स्वयं सहायता समूहों, कृषक उत्पादक संगठनों, प्रगतिशील कृषकों, स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें तथा कुपोषण एवं क्षय रोग को देश से मिटाने हेतु मैराथन प्रयास आदि शामिल हैं।

राजभवन के अन्दर माननीया राज्यपाल महोदया की प्रेरणा से महिलाएं सशक्तीकरण के लिए जूडो प्रशिक्षण, खेलकूद प्रतियोगिताएं, माननीया राज्यपाल द्वारा स्वयं तथा राजभवन के बच्चों के साथ जेल भ्रमण, महिला स्वावलम्बन के लिए चिकनकारी एवं जरदोजी प्रशिक्षण जैसे कार्य सम्पादित किये गये। इसके साथ ही बिहार के राज्यपाल श्री फागू चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सहित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों से भी राज्यपाल ने शिष्टाचार भेंट की।

माननीया राज्यपाल महोदया द्वारा राजभवन के बाहर वाराणसी, चंदौली, अलीगढ़, बुलन्दशहर, आगरा तथा शाहजहाँपुर का भ्रमण किया गया, जहाँ पर स्वयं सेवी संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लाभार्थियों रेडक्रास सोसायटी के प्रतिनिधियों तथा कृषक उत्पादक संगठनों के साथ बैठक की तथा प्रदेश से कुपोषण एवं क्षय रोग समाप्त करने के विभिन्न उपायों पर विचार–विमर्श करने के साथ ही सुझाव निर्देश एवं अपेक्षाओं को साझा किया। माननीया राज्यपाल के इन सभी प्रयासों से जहां क्षय रोग से ग्रसित बच्चों को स्वस्थ्य करने में आशातीत सफलता मिली है वही कुपोषण दूर करने के सार्थक परिणाम आये हैं। इस कार्य में राज्यपाल की प्रेरणा से प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों द्वारा सकारत्मक सहयोग देते हुए क्षय रोग ग्रसित बच्चों एवं कुपोषण दूर करने हेतु

आंगनबाड़ी केन्द्रो को गोद लेकर उनके माध्यम से इस दिशा में सार्थक कदम उठाते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रो पर पोषण सामग्री के साथ–साथ खेल–खेल में शिक्षा के उद्देश्य से रूचिपरक पठन–पाठन सामग्री उपलब्ध करायी गयी है जिसके उत्साह–जनक परिणाम सामने हैं जिसके फलस्वरूप हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2025 तक क्षय रोग एवं कुपोषण मुक्त भारत की दिशा में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

राजभवन की प्रेरणा से महिला सशक्तीकरण हेतु स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर के बनाने के प्रयास हो रहे हैं। जिसके सार्थक एवं उत्साह जनक परिणाम माननीया राज्यपाल ने स्वयं जनपदों का भ्रमण कर देखा है तथा समूह की महिलाओं द्वारा किये जा रहे कार्यों को सराहा भी है। मा0 राज्यपाल द्वारा जनपदों में कृषक उत्पादक संगठनों तथा प्रगतिशील कृषकों के साथ बैठक कर उन्हें जैविक खेती की ओर प्रेरित करने का कार्य किया गया है। जिसके भी सार्थक परिणाम दिखने लगे हैं। कृषक वर्मी कम्पोष्ट तथा जैविक खादों को प्राथमिकता दे रहे हैं तथा मशीनीकृत खेती की ओर बढ़ रहे है।

उपरोक्त तथ्य इस बात का प्रमाण है कि माननीया राज्यपाल महोदया की ममतामयी प्रेरणा से प्रदेश के विभिन्न जनपदों खासकर उनके द्वारा भ्रमण किये गये जनपदों में अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ–साथ स्वयं सेवी संस्थाओं, समाज सेवियों तथा स्वयं सहायता समूहों में एक नयी ऊर्जा का संचार हुआ है और वे प्रेरित होकर पूरी लगन के साथ आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं। कुपोषण एवं क्षय रोग मुक्त भारत बनने के लिये आंगनबाड़ी केन्द्रो तथा क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेने की होड़ लगी है अब वह दिन दूर नहीं जब महामहिम राज्यपाल की प्रेरणा से प्रदेश को शीघ्र ही कुपोषण एवं क्षय रोग से मुक्ति मिलेगी तथा देश एवं प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेगा।

महेश कुमार गुप्ता
प्रधान सम्पादक

लखनऊ राजभवन में जूडो

राजभवन : 01 नवम्बर, 2020

माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा से दिनांक 01 नवम्बर, 2020 को लखनऊ के राजभवन में बालिकाओं एवं महिलाओं के लिये जूडो एक खेल तथा मार्शल आर्ट के रूप में शुरू कराया गया। जिसमें राजभवन प्रांगण में रहने वाली लगभग 36 बालिकाओं ने जूडो ट्रेनिंग की शुरूआत श्री मनव्वर अंज़ार अन्तर्राष्ट्रीय जूडो रेफरी/कोच एवं कु0 हिना खान, एन.आई.एस. जूडो कोच के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। दो माह की ट्रेनिंग से बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे साथ ही जूडो खेल की तकनीक भी सीखी चूकिं जूडो जापानी खेल है अतः जापानी की बेसिक भाषा का भी ज्ञान प्राप्त किया।

राजभवन में जूडो खेल का प्रशिक्षण प्राप्त करती बालिकाएं

दो माह के प्रशिक्षण के पश्चात इन बालिकाओं ने राजभवन में आयोजित हुये खेलों में जूडो को प्रथम बार सम्मलित किया गया, जिसमें 25 बालिकाओं ने भाग लिया।

खेलों के समापन समारोह में राजभवन में जूडों की बालिकाओं ने मार्शलआर्ट एवं जूड़ों की तकनीक का प्रदर्शन किया जिसमें प्रदेश के माननीय खेल मंत्री, डी.जी.पी. उ.प्र. एरिया कमाण्डर तथा कई अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौजूद रहें।

❐❐

परिवार अच्छा चाहिये तो बाल्यावस्था की चिन्ता करें

वाराणसी : 02 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वाराणसी स्थित सर्किट हाउस सभागार में आंगनवाड़ी कार्यक्रम, टी0बी0उन्मूलन कार्यक्रम क्रियान्वयन, स्वंय सहायता समूह, स्वैच्छिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर बच्चों तथा महिलाओं के विकास को माइक्रो प्लान बना कर समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए कार्य करने का संदेश दिया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि गरीबी से मुक्ति का उपाय अच्छी शिक्षा है इसमें सभी का दायित्व है। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालायों के प्रोफेसर कुपोषित बच्चों एवं टीवी संक्रमित बच्चों को गोद लें।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में तीन, चार, पांच वर्ष के बच्चों के अलग–अलग प्रकार के सिलेबस हर क्षेत्र के यथा–पर्यावरण, साइंस, सोसायटी, कौशल विकास, सहकारिता आदि में है। बच्चों की गांव में सामूहिक भ्रमण, खेल व पर्यटन स्थल आदि दिखाएं। बच्चों में अच्छे संस्कार दें तथा शैक्षिक कैलेंडर में नाश्ता व खाना को भी प्रावधानित करें। इससे बच्चे उत्साहित होते हैं। बच्चों को गोद लेने में मंदिर के ट्रस्टी को भी जोड़ें। समर्थ किसान गांव में आंगनवाड़ी में अपनी उपज के फल–सब्जी देकर सहयोग कर सकते हैं। हर किशोरी का ब्लड टेस्ट कराएं। एनीमिक किशोरी को दवा दिलाएं। कोई किशोरी एनीमिक नहीं हो, तभी वह जब माता बनेगी तो स्वस्थ बच्चे को जन्म देगी। यूनिवर्सिटी में बच्चियों, उनके मां–बाप–अभिभावकों, चिकित्सकों के साथ वे सम्मेलन करें।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर गोद भराई कार्यक्रम पति की उपस्थिति में कराया जाए। 5000 रूपया सरकार द्वारा दिए जाने का सही उपयोग पुरुष उस पत्नी महिला के खानपान पर करें, ताकि स्वस्थ बच्चे का जन्म हो। केंद्रों की दीवार पर कुछ मोटिवेटेड स्लोगन यथा–'अच्छे फल के लिए बीज स्वस्थ हो', 'मकान अच्छा चाहिए तो नीव मजबूत हो', 'देश व राष्ट्र मजबूत चाहिए तो शिक्षा की चिंता करें' तथा 'परिवार अच्छा चाहिए तो बाल्यावस्था की चिंता करें।' राज्यपाल महोदया ने आंगनवाड़ी केंद्रों, प्राइमरी स्कूलों में बेहतर वातावरण बनाए रखने, कुपोषित बच्चों, टीवी संक्रमित बच्चों को गोद लेकर उन्हें ठीक कराने हेतु समाज के हर वर्ग को स्वभावना से जुड़कर अपने सामाजिक दायित्व निर्वहन करने की प्रेरणा का संदेश दिया।

टी.बी. ग्रसित बच्चों को गोद लेने वाली संस्था के पदाधिकारी को सम्मानित करतीं मा. राज्यपाल।

आंगनबाड़ी केन्द्र पर गोद भराई की रश्म करतीं मा. राज्यपाल

'राज्यपाल के हाथों सम्मान पत्र पाकर गौरवान्वित हुए अजेय कोरोना वारियर्स'

वाराणसी : 03 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वाराणसी स्थित सर्किट हाउस सभागार में कोरोना वारियर्स को सम्मानित कर उन्हें समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की 140 करोड़ जनता को स्वयं जागरूकता हेतु मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग रखने, हाथ धोने, लॉकडाउन में घर में रहने, बच्चों व बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने आदि का सन्देश दिया और इस सन्देश को जन–जन तक पहुंचाने में हमारे कोरोना वारियर्स का बड़ा योगदान है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज भारत की पूरे विश्व में चर्चा होती है कि यहां कैसे काम हुआ। कितना अच्छा डिसीप्लिन है। आपदा को अवसर में बदलकर देश ने अपने को विश्व में साबित किया है। कोरोना वारियर्स का सम्मान अच्छा व प्रेरणादायक है। उन्होंने कोरोना वारियर्स से मिलकर उन्हें सम्मानित करने में अपनी खुशी जाहिर की। ऐसे कार्यक्रम उदाहरण व समाज के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। उन्होंने कहा कि अभी सर्दी आ रही है, इसमें अन्य लोग भी होते हैं। कोरोना का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए समुचित सावधानी बरती जाए।

कोरोना वारियर्स को प्रमाण–पत्र भेंट करतीं मा. राज्यपाल।

अभिनंदन समारोह राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विभिन्न विभागों यथा–सफाई कर्मी, यातायात पुलिस, सिविल पुलिस, जलकल, राजस्व, विकास, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य विभाग के कोरोना वारियर्स को सम्मानित किया।

बच्चों में आनंदमयी शिक्षा की परिकल्पना के साथ नयी शिक्षा नीति

04 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल अपने तीन दिवसीय वाराणसी दौरे के तीसरे दिन सर्किट हाउस सभागार में आयोजित मार्गदर्शक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में बच्चों को संस्कारित शिक्षा, ज्ञानवर्धक शिक्षा, रोजगारपरक शिक्षा आदि सहित बच्चों, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के समस्त आयाम समाहित हैं। देश में विभिन्न वेबिनार हो रहे हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने देश के प्रदेशों के राज्यपालों के साथ पूरा दिन वार्ता कर महिला व शिक्षा पर क्या काम हो रहा है की जानकारी ली है। नई शिक्षा नीति में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय दिया है। इसका प्रारंभिक शिक्षा से ऊपर तक संस्थाओं व केंद्रों पर क्रियान्वयन शुरू हो।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वाराणसी में भ्रमण के दौरान देखे आंगनवाड़ी केंद्र व प्राइमरी स्कूल में सुधार व परिवर्तन दिखता है। अच्छा कार्य हो रहा है। उन्होंने 3 से 6 वर्ष के बच्चों के बीच नया पाठ्यक्रम बनाकर आंगनवाडी कार्यकत्री एवं प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों को प्रशिक्षण देकर लागू किये जाने का सुझाव दिया। छोटे बच्चों को गांव में भ्रमण कराया जाए। बच्चों में जो प्रतिभा है उसकी जानकारी अभिभावकों को होनी चाहिए। वाराणसी जनपद के कई आंगनवाड़ी केंद्रों की काया क्लब की राज्यपाल ने प्रशंसा की।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण कार्य के प्रगति की भी जानकारी ली। पूजन के दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के धर्मार्थ कार्य मंत्री डॉक्टर नीलकंठ तिवारी, मंत्री स्वाति सिंह भी मौजूद रही।

शिशु वाटिका के क्रियाकलापों के प्रजेंटेशन के दौरान मा. राज्यपाल।

बालिकाओं को उपहार प्रदान करतीं हुईं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

सभी मेडिकल कालेज गम्भीर विषयों पर शोध करें

राजभवन : 05 नवम्बर, 2020

विषम परिस्थितियों में सरकार के सहयोग से यहां के चिकित्सकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर कोविड मरीजों की उचित देखभाल एवं सेवा की है तथा यह उसी का परिणाम है कि यहां मरीजों की मृत्यु दर काफी कम रही। ये विचार कहीं– कहीं कोरोना मरीजों की संख्या पुनः बढ़ रही है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने मेडिकल कालेजों में रिसर्च वर्क पर ज्यादा बल देते हुए कहा कि मेडिकल

लखनऊ के कोविड अस्पताल घोषित निजी मेडिकल कालेजों की राजभवन में मा. राज्यपाल की अध्यक्षता में बैठक।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में आयोजित लखनऊ स्थित कोविड अस्पताल घोषित निजी मेडिकल कालेजों की एक बैठक के दौरान व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कोविड मरीजों की देखभाल में सराहनीय कार्य करने के लिए मेडिकल कालेजों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब किसी को इस बीमारी के विषय में ज्यादा कुछ पता नहीं था। उन्होंने कहा कि अभी कोरोना जैसी गम्भीर बीमारी खत्म नहीं हुई है, आप सभी को आगे भी इससे निपटने के लिये तैयार रहना होगा, क्योंकि छात्रों को गम्भीर विषयों पर शोध करना चाहिए ताकि उनके शोध का लाभ पूरी मानवता को मिले।

मा. राज्यपाल ने कोविड मरीजों की चिकित्सा में सराहनीय कार्य करने वाले एरा मेडिकल कालेज, टी0एस0 मिश्रा मेडिकल कालेज और इंटीग्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कुलपति और उच्च अधिकारियों की राजभवन में बैठक

राजभवन : 05 नवम्बर, 2020

सभी कुलपति विश्वविद्यालय में नियमित रूप से अपने कार्यालय में बैठें तथा छात्र–छात्राओं से नियमित रूप से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान निकालें। छात्रों के बीच कुलपति को अपनी ऐसी आभा बनानी चाहिए, जिससे छात्रों को लगे कि कुलपति छात्रों एवं विश्वविद्यालय के हित में कार्य कर रहे हैं। ये निर्देश उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में प्रदेश के कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालयों एवं पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की समस्याओं के संबंध में हुई उच्चस्तरीय बैठक के दौरान दिये। राज्यपाल ने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कुलपति एवं शासन के उच्च अधिकारियों को आमने–सामने एक साथ बैठाकर समस्याओं का निराकरण कराना था, क्योंकि अलग–अलग बैठक करने पर समस्याओं के संबंध में पूरी तस्वीर सामने नहीं आती है।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों पर केन्द्र व राज्य सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ स्वीकृत पदों पर नियमित नियुक्ति करें। नियुक्ति के संबंध में राजभवन को कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी कुलपति नियुक्ति संबंधी साक्षात्कार की पूरी रिकार्डिंग करायेंगे और उसे सुरक्षित रखेंगे। रिक्त नियमित पदों एवं सेवानिवृत्ति से रिक्त होने वाले पदों पर राज्य सरकार द्वारा भर्ती पर कोई रोक नहीं है। राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि स्वायत्तता का मतलब मनमानी नहीं होता है, ऐसी स्थिति में कोई कुलपति ऐसा कोई कार्य न करे जो नियमों की परिधि के बाहर हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों को समय सीमा के अन्तर्गत पूरा करें, जिससे उसकी लागत में वृद्धि न हो।

बैठक में प्रदेश के कृषि एवं कृषि शिक्षा मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश के सभी कृषि महाविद्यालयों को राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ उनके परिक्षेत्र के आधार पर सम्बद्ध किये जाने का मामला नीतिगत है तथा इस पर शीघ्र ही मुख्यमंत्री जी के साथ बैठक कर निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने

मा. राज्यपाल की अध्यक्षता में कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालयों तथा पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की समस्याओं के निराकरण हेतु बैठक।

कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों में भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2018 अंगीकृत कर यथाशीघ्र लागू किया जायेगा। इसी तरह कृषि विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी चिकित्सा, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण की सुविधा देने पर राज्य सरकार विचार कर यथा शीघ्र निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय अधिनियम 1958 के कुछ परिनियम अप्रासंगिक हैं, जिनके संशोधन के लिए कुलपति, सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय मेरठ की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जो अपनी रिपोर्ट एक माह में देगी। इस समिति में देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भी रखा गया है।

"स्वायत्तता का मतलब मनमानी नहीं होता है, ऐसी स्थिति में कोई कुलपति ऐसा कोई कार्य न करे जो नियमों की परिधि के बाहर हो।"

बैठक में राज्यपाल ने चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में कार्यरत वैज्ञानिकों द्वारा तैयार पुस्तक 'जैविक खेती के आयाम' का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर पशुधन मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, कृषि राज्य मंत्री श्री लाखन सिंह राजपूत, मुख्य सचिव श्री आर0के0 तिवारी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव कृषि श्री देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्रीमती राधा एस0 चौहान, प्रमुख सचिव पशुधन श्री भुवनेश कुमार, राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री केयूर सम्पत सहित विश्वविद्यालायों के कुलपति मौजूद थे।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में कार्यरत वैज्ञानिकों द्वारा तैयार पुस्तक 'जैविक खेती के आयाम' का विमोचन करती हुईं मा. राज्यपाल।

❐❐

लाक डाउन ने आपदा को अवसर में बदलने का मौका दिया

राजभवन : 06 नवम्बर, 2020

लाक डाउन में श्रमिकों को राज्य सरकार व गैर सरकारी संस्थाओं ने मिलकर उनके भोजन, ठहरने व गंतव्य स्थान तक पहुंचाने में परिवहन की व्यवस्था करके उन्हें हर तरह से मदद पहुंचायी, उसके लिए लखनऊ के जिलाधिकारी व यहां की स्वयं सेवी संस्थाएं बधाई की पात्र हैं। ये उद्‌गार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयं सेवी संस्थाओं के सम्मानित करते हुये व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थाओं का सम्मान करना हमारे लिए भी गौरव की बात है।

राज्यपाल ने बताया कि राजभवन ने भी सामाजिक दायित्वो का निर्वहन करते हुये राजभवन के आस–पास तैनात सुरक्षाकर्मियों के लिए चाय, नाश्ता व भोजन आदि का प्रबन्ध कराया, जो यह दर्शाता है कि हमारे निजी अस्पतालों, चिकित्सकों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ ने 8–8 घंटे पी0पी0ई0 किट पहने, बिना कुछ खाये पिये मरीजों की जो देखभाल व सेवा की, यह उसी का परिणाम है कि प्रदेश में मृत्यु दर सबसे कम है। उन्होंने कहा कि लाक डाउन ने आपदा को अवसर में बदलने का मौका दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली 21 स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ श्री संजय भटनागर एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के संचालक भी उपस्थित थे।

सम्मानित स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ मा. राज्यपाल।

"राज्यपाल ने कोरोना महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली 21 स्वयं सेवी संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।"

आचार्य विनोबा भावे की करूणा और संवेदना से पूरी मानवता प्रभावित थी

राजभवन : 08 नवम्बर, 2020

आचार्य विनोबा भावे जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। उनकी पूरी जीवन–यात्रा समाज के उत्थान के लिए थी। आचार्य विनोबा जी द्वारा बताई गई बातें लोगों को सही और सफल मार्ग पर ले जाने में सहायक हैं। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में हरिजन सेवक संघ द्वारा आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित वेबिनार 'गांधी इन न्यू एरा–विनोबा जी' को सम्बोधित करते हुए कहे। उसकी प्रांसगिकता युगों–युगों तक कायम रहती है। समाज उनके विचारों से सदैव मार्गदर्शन प्राप्त करता रहता है। आचार्य विनोबा भावे जी ने गांधी जी के मार्ग को अपनाया और जीवनभर वह उनके आदर्शों पर चलते रहे। संत स्वभाव के होने के बावजूद आचार्य विनोबा में राजनैतिक सक्रियता भी थी। उन्होंने सामाजिक अन्याय तथा धार्मिक विषमता का मुकाबला करने के लिए देश की जनता को स्वयंसेवी होने का आह्वान किया। समाचार पत्र 'महाराष्ट्र धर्म' के माध्यम से भी आचार्य

आचार्य विनोबा भावे की 125वीं जयन्ती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित करती राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

राज्यपाल ने कहा कि महापुरूषों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती है, बल्कि विनोबा भावे ने देशवासियों में स्वतंत्रता की अलख जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थान सामाजिक सरोकारों से जुड़ें

राजभवन :12 नवम्बर, 2020

प्रदेश को टी0बी0 मुक्त राज्य बनाने में तकनीकी संस्थान टी0बी0 ग्रस्त बच्चों एवं अपने आस–पास के आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल राजभवन में डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के तत्वावधान में कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को गोद लेने हेतु प्रोत्साहन एवं लखनऊ के स्ववित्त पोषित इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थानों के अध्यक्षों के साथ आयोजित बैठक को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित करने, बच्चों के पढ़ने एवं खेलकूद के सामान उपलब्ध कराकर गरीब बच्चों की मदद करना पुण्य का कार्य है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान के लोग सामाजिक सरोकार के इस कार्य में अपनी सहभागिता से कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को निरोग एवं स्वस्थ बनाने में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

राज्यपाल ने कहा कि कुपोषण के कारण ही अधिकांश बच्चे टी0बी0 ग्रस्त होते हैं। हमें टी0बी0 के साथ–साथ कुपोषण से भी लड़ना है। इसके लिए आवश्यक है कि हमारे बच्चे स्वस्थ पैदा हों और यह तभी सम्भव होगा जब गर्भवती महिलाओं को पोषण युक्त भोजन दिया जाय। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका के संबंध में राज्यपाल ने कहा कि अब शिक्षकों को एक विषय विशेष की शिक्षा देने के स्थान पर बहु–विषयक शिक्षक की भूमिका अदा करनी होगी। उन्होंने संस्थानों के अध्यक्षों से कहा कि अब शिक्षकों की नियुक्ति में इस पक्ष पर विशेष ध्यान दें कि नियुक्त होने वाले नये शिक्षक कई विषयों के जानकार हों।

लखनऊ के स्ववित्त पोषित इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थानों के अध्यक्षों की मा. राज्यपाल के साथ बैठक

इस बैठक में भाग लेने वाले लखनऊ के 26 तकनीकी संस्थाओं के अध्यक्षों ने कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त 10–10 बच्चे गोद लेकर इनकी

देखभाल की जिम्मेदारी ली। राज्यपाल के आग्रह पर इन संस्थानों के अध्यक्षों एवं निदेशकों ने अपने आस–पास स्थित 5–5 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेने पर सहमति प्रदान की। जिलाधिकारी लखनऊ 5–5 आंगनबाड़ी केन्द्रों की सूची इन संस्थानों को उपलब्ध करायेंगे।

इससे पहले डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कुलपति श्री विनय पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध प्रदेश के 750 तकनीकी संस्थान प्रदेश को टी0बी0 मुक्त बनाने में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसके लिए सभी 750 संस्थान अपने आस–पास के एक–एक गांव गोद लेंगे और वहां के टी0बी0 ग्रस्त बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी उठायेंगे। उन्होंने कहा कि तकनीकी संस्थाओं द्वारा प्रवेश के संबंध में कंसलटेंट नियुक्त करने सम्बन्धी सलाह पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

"निजी इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थान टी0बी0 ग्रस्त एवं कुपोषित बच्चों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर उनके उत्थान में अग्रणी भूमिका निभायें –राज्यपाल।"

इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव, श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा श्रीमती राधा एस0 चौहान, जिलाधिकारी लखनऊ श्री अभिषेक प्रकाश, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) श्री केयूर सम्पत सहित लखनऊ के 26 स्ववित्त पोषित इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संस्थानों के अध्यक्ष एवं निदेशक उपस्थित थे।

❐❐

"आज जब नर्सरी का बच्चा भी नई तकनीक के बारे में पढ़ेगा, तो उसे भविष्य की तैयारी करने में आसानी मिलेगी। कई दशकों से शिक्षा नीति में बदलाव नहीं हुआ था, इसलिए समाज में भेड़चाल को प्रोत्साहन मिल रहा था। कभी डॉक्टर–इंजीनियर–वकील बनाने की होड़ लगी हुई थी। अब युवा क्रिएटिव विचारों को आगे बढ़ा सकेगा, अब सिर्फ पढ़ाई नहीं बल्कि वर्किंग कल्चर को डेवलेप किया गया है।"

– मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

भगवान धन्वन्तरि की प्रतिमा का राजभवन में अनावरण

राजभवन : 12 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धन्वन्तरि जयन्ती के अवसर पर राजभवन स्थित ग्रह वाटिका में आयुर्वेद के जनक आरोग्य देव भगवान धन्वन्तरि की प्रतिमा का अनावरण किया और आचार्य सुश्रुत्र, आचार्य वाग्भट्ट, आचार्य चरक और आचार्य माधवकर द्वारा आयुर्वेद के संबंध में व्यक्त किये गये विचारों से अंकित शिलापटों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर प्रयागराज के राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय की ओर से आयुर्वेद की दुर्लभ पाण्डुलिपियों और पुस्तकों की लगाई गई प्रदर्शनी का राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया तथा पुस्तक 'भारत के प्राणाचार्य' एवं 'दुर्लभ पाण्डुलिपियों में आयुर्वेद' का विमोचन किया। इसके अलावा ग्रह वाटिका में राज्यपाल ने इलायची एवं मुख्यमंत्री ने लौंग का पौधा भी रोपित किया।

मा. राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने राजभवन में आरोग्य देव भगवान धन्वन्तरि की प्रतिमा का अनावरण किया।

आचार्य सुश्रुत्र, आचार्य वाग्भट्ट, आचार्य चरक और आचार्य माधवकर द्धारा आयुर्वेद के सम्बन्ध में व्यक्त किये गये विचारों से अंकित शिलापटों का अवलोकन करतीं मा. राज्यपाल।

विश्वविद्यालय नये लक्ष्य एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में सकारात्मक कदम उठायें

लखनऊ : 21 नवम्बर, 2020

गौरवमयी उपलब्धियों को अपने में समेटे लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रदेश की उच्च शिक्षण संस्थाओं में विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि समारोह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले यही छात्र इस गौरवशाली संस्था की विरासत को आगे ले जायेंगे।

उपाधि प्राप्त छात्र एवं छात्राओं के साथ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

विश्वविद्यालय ने विशेष परिस्थितियों में नवीन तकनीकों के प्रयोग से छात्र–छात्राओं को ज्ञान–विज्ञान सुलभ कराने, उनके मनोबल को संबल प्रदान करने तथा उनमें सामाजिक चेतना का विकास करने में विशेष भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के 63वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए ये बात कही इस वर्ष लखनऊ विश्वविद्यालय अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है इस दृष्टि से यह दीक्षान्त

राज्यपाल ने कहा कि भारत की वैचारिक एवं शैक्षिक परम्परा प्राचीन है, परन्तु इस परम्परा में कई उतार–चढ़ाव आते रहे हैं। भारतीय परम्परा में भौतिकता संबंधी जिज्ञासा एवं वैज्ञानिक चेतना का विकास भी हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों का दायित्व अधिक है, क्योंकि वे ज्ञान के नये आयाम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थाओं का वातावरण उन्मुक्त होना चाहिए। छात्र–छात्राएं सांस्कृतिक व शैक्षिक गतिविधियों में

न केवल भाग बनें, बल्कि सतत् प्रबन्धन का हिस्सा भी बनें। इससे जानकारी के साथ दायित्वबोध भी बढ़ेगा। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय पूरा जीवन जीने की कला की कार्यशाला होते हैं।

मा. राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत छोटे बच्चों को पुस्तक, बैग एवं पोषण युक्त खाद्य सामग्री भेंट की।

कुलाधिपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नीति में नई ऊर्जा है, नई राजनैतिक प्रतिबद्धता है, बुनियादी शिक्षा हेतु मातृ भाषाओं पर बल है, बहु–आयामिता है, नवाचारों और शिक्षक प्रशिक्षण पर भी बल है। इसके साथ ही इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता विषय चयन को लेकर है। मूल्यांकन की भी अधिक संवेदनशील व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति देश को आगे ले जाने में अहम् भूमिका निभायेगी।

राज्यपाल ने पदक व उपाधि पाने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सदैव श्रेष्ठता की चेष्टा करो, क्योंकि साधारणता के लिए कोई स्थान नहीं है। आपकी विचारधारा सदैव राष्ट्रहित में होनी चाहिये उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज का यह दिन वर्षों तक आप सबकी स्मृति पटल पर अंकित रहेगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय को नये लक्ष्य प्राप्त करने एवं राष्ट्र निर्माण हेतु साकारात्मक कदम बढ़ाने की दिशा में प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने 15 विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधि देकर सम्मानित किया।

"कुलाधिपति ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इस नीति में नई ऊर्जा है, नई राजनैतिक प्रतिबद्धता है, बुनियादी शिक्षा हेतु मातृ भाषाओं पर बल है, बहु–आयामिता है, नवाचारों और शिक्षक प्रशिक्षण पर भी बल है। इसके साथ ही इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता विषय चयन को लेकर है।"

इससे पहले राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने देश के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द की तरफ से लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 वर्ष पूरे होने पर विश्वविद्यालय परिवार एवं छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन प्रकाशनों का विमोचन भी किया। उन्होंने कला दीर्घा, संग्रहालय एवं हैप्पीनेस सेंटर का डिजिटल शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत छोटे बच्चों को पुस्तक, बैग एवं पोषण युक्त खाद्य सामग्री भेंट की।

दीक्षान्त समारोह में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री केयूर सम्पत, विश्वविद्यालय के अध्यापकगण, छात्र एवं उपाधि प्राप्त करने वाले अन्य छात्रगण ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

❐❐

राज्यपाल ने नारी बन्दी निकेतन गोसाईगंज में कैदियों से भेंट की

लखनऊ : 21 नवम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर नारी बन्दी निकेतन गोसाईगंज, लखनऊ में दो घंटे से अधिक समय तक बंदियों के बीच बिताकर उनके दुःख, कष्ट एवं किये गये अपराध के बारे में जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने पाकशाला में कैदियों के लिए तैयार हो रहे भोजन का निरीक्षण किया एवं जेल चिकित्सालय में भर्ती गम्भीर रूप से बीमार कैदियों से भी मुलाकात की। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही वस्तुओं को भी देखा। राज्यपाल को बताया गया कि यहां की बंदी महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे सेनेटरी पैड को बाहर भी भेजा जाता है।

महिला कैदियों से भेट करती हुई मा. राज्यपाल।

मा. राज्यपाल ने पाकशाला में कैदियों के लिए तैयार हो रहे भोजन का निरीक्षण किया।

राज्यपाल ने जेल चिकित्सालय में कैदियों के दुःख एवं कष्ट को देखकर जिलाधिकारी से गम्भीर रूप से बीमार वृद्ध महिलाओं तथा 80 वर्ष से ऊपर की अशक्त महिलाओं की रिहाई का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने महिला कैदियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहां से जाने के बाद आप भविष्य में कोई ऐसा कार्य नहीं करेंगी, जिससे आप को दोबारा जेल में आना पड़े। गुस्से एवं उत्तेजना में किया गया कार्य हमेशा कष्टदायक होता है। उन्होंने महिला कैदी के साथ रह रहे छोटे–छोटे बच्चों को उपहार भी दिया।

महिला कैदीयों के बच्चों को उपहार देते हुए मा. राज्यपाल।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कैदियों के उपयोगार्थ 5 सिलाई मशीन, 10 कैसरोल, 1 ई–रिक्शा, 10 पैकेट स्टेशनरी किट, 12 पैकेट लड्डू, 9 स्वेटर एवं 50 पैकेट चॉकलेट तथा दृष्टिबाधित के लिए 2 स्मार्ट केन व 2 ब्रेल किट को भेंट किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, डी0जी0 जेल, जिलाधिकारी लखनऊ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

राजभवन में चिकनकारी एवं ज़रदोजी का प्रशिक्षण

राजभवन : 21 नवम्बर, 2020

राज्यपाल ने राजभवन के गुलमोहर क्लब में उद्यमिता विकास संस्थान, लखनऊ तथा आसमा हुसैन इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी के सहयोग से राजभवन परिवार की महिलाओं के लिए प्रदेश सरकार की योजना 'एक जिला–एक उत्पाद' के अन्तर्गत आयोजित 3 माह के चिकनकारी एवं ज़रदोजी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यहां महिलाएं कुछ न कुछ सीखने का प्रयास करने जा रही हैं। हम इधर–उधर अपना समय बर्बाद कर देते हैं, उसमें से थोड़ा सा समय निकालकर सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी बच्चियों में कौशल एवं क्षमता है और उन्हें नया सीखने के लिए सतत प्रयास करना चाहिए।

राजभवन में चिकनकरी एवं ज़रदोजी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करतीं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

राज्यपाल ने कहा कि आज महिलाएं चिकनकारी सीखने के लिए आगे आ रही हैं। प्रशिक्षित महिलाएं स्वयं अपना कारोबार कर सकेंगी, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सम्पन्न होंगी और समाज में उनका गौरव एवं प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रशिक्षण समाप्ति के पश्चात प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा, जिसका मैं स्वयं अवलोकन करूंगी कि हमारे परिवार की महिलाओं ने इस अवधि में कितना हुनर प्राप्त किया है।

❐❐

प्रशिक्षण प्राप्त करती हुई महिलायें।

कोरोना काल में नगर निगम का कार्य सराहनीय

लखनऊ : 12 दिसम्बर, 2020

जनसुविधाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध कराना नगर निगम का प्रथम कर्तव्य होता है। ये बात राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने नगर निगम लखनऊ के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अपने अतिथि भाषण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि नगर का मतलब– न=नल, ग=गटर तथा र=रोड होता है और नगर निगम की सम्पूर्ण कार्य प्रणाली स्वच्छ पेयजल, सीवर तथा सड़क जैसी सुविधाओं की ओर ही केन्द्रित होती है। राज्यपाल ने कहा कि प्रायः सभी लोग टैक्स नहीं देते हैं, फिर भी हमें सभी के लिए मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराना होता है और सभी पार्षद इसी कार्य के लिये प्रयासरत रहते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि पार्षदों को नल, गटर एवं रोड की आवश्यकता के साथ–साथ अपने–अपने क्षेत्र में आंगनवाड़ी केन्द्रों, प्राथमिक विद्यालयों तथा चिकित्सा सुविधाओं पर भी ध्याान देना चाहिए तथा समय–समय पर वहां जाकर उनकी व्यवस्था का निरीक्षण करना चाहिये। छोटे बच्चों के लिये फल बिस्कुट आदि ले जायें। उन्होंने कहा कि उचित होगा कि यदि पार्षद जरूरतमंदों को उनकी जरूरत के अनुसार फल, वस्त्र आदि लेकर जायेंगे तो जनता उनके प्रति आदर भाव रखेगी। अतः समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं स्वयंसेवी संस्थाएं,

लखनऊ नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम कों सम्बोधित करते हुये मा. राज्यपाल।

सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि पार्षद नयी शिक्षा नीति की जानकारी लें और अपने–अपने क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में इसकी चर्चा भी करें। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। जिनकी जानकारी अपने वार्ड में दी जानी चाहिए, जिससे गरीबों को उसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि 2025 तक देश को टी0बी0 मुक्त किया जाना है अतः टी0बी0 के नियंत्रण हेतु किये जा रहे उपायों की जानकारी पार्षद अपने–अपने क्षेत्र में अवश्य दें। यह कार्य हमें निरंतर करते रहना है, तभी हम क्षय रोग मुक्त भारत बना सकते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्मारिका 2020 का विमोचन भी किया।

उपलब्धियों पर आधारित स्मारिका–2020 का विमोचन करते हुए मा. राज्यपाल एवं अन्य।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया ने तीन वर्ष में किये गये कार्यों का लोखा–जोखा प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के नगर विकास मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, जल शक्ति मंत्री डा0 महेन्द्र सिंह, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती स्वाती सिंह एवं नगर आयुक्त श्री अजय द्विवेदी सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

"हमें देश में अनलॉक के दौरान 2 अहम बातों पर ध्यान देना है। पहला कोरोना को हराना और दूसरा अर्थव्यवस्था को मजबूत करना। अनलॉक को लेकर पीएम ने लोगों से निवेदन किया कि सभी लोग 2 गज दूरी, फेस मास्क व उचित सावधानियां जरूर बरतें ताकि कोरोना संक्रमण ज्यादा न हो सके। अनलॉक के दौरान हमें और भी ज्यादा सावधान रहना है।"

– मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये विशेष शिक्षा की व्यवस्था

लखनऊ : 14 दिसम्बर, 2020

शिक्षा के माध्यम से हमें ऐसे विद्यार्थियों को गढ़ना है जो राष्ट्र–गौरव के साथ–साथ विश्व–कल्याण की भावना से ओत–प्रोत हों और वे सही मायने में ग्लोबल सिटिजन बन सकें। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के सातवें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों में अंतर्निहित विशिष्ट बौद्धिक सामर्थ्य को विकसित कर उन्हें राष्ट्र निर्माण के महान कार्य हेतु गतिशील करने में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप इस विश्वविद्यालय से शिक्षा एवं प्रशिक्षण के बाद उपाधि धारकों में एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हो रहा है तथा आजीविका, रोजगार एवं स्वरोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों के पठन–पाठन, आकलन एवं उनके मूल्यांकन की विधियों में व्यापक सुधार के संबंध में विचार कर अपेक्षित सुधारों को लागू करें। राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में 121 विद्यार्थियों को 151 मेडल देकर सम्मानित किया।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु विश्वविद्यालय परिसर में डाक–घर का शुभारम्भ किया तथा विश्वविद्यालय पर डाक टिकट निर्गत किया। इसके साथ ही राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण एवं उनकी कविता पर आधारित विथिका का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी की यह प्रतिमा विद्यार्थियों को सदैव आगे बढ़ने एवं देश प्रेम की प्रेरणा देती रहेगी।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु परिसर में डाक–घर का शुभारम्भ एवं डाक टिकट निर्गत करते हुए मा. राज्यपाल।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण एवं उनकी कविता पर आधारित वीथिका तथा परिसर में डाकघर का शुभारम्भ किया।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र पर भी दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष शिक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के तहत प्रशिक्षण दिया जाय। साथ ही एक देश एक पाठ्यक्रम की व्यवस्था भी लागू होनी चाहिए। उन्होंने अभिभावकों का आह्वान किया कि वे नई शिक्षा नीति को जानें और उसे प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च स्तर तक लागू करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। आज की परिस्थिति में 60 प्रतिशत शिक्षक कार्य आनलाइन हो रहा है जबकि 40 प्रतिशत अध्यापकों के माध्यम से हो रहा है। हमें अपनी पीढ़ी को कुशल नागरिक बनाना है। देश के लिये कुछ कार्य करने है। अतः हमें सोचना चाहिए कि मैंने देश के लिये क्या किया और मैं देश के लिये क्या कर सकता हूं। हमें इसी सोच के साथ आगे बढ़ना है।

डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करतीं मा. राज्यपाल।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य अतिथि एवं पूर्व अध्यक्ष साहित्य अकादमी नई दिल्ली डा0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, दिव्यांगजंन सशक्तीकरण मंत्री श्री अनिल राजभर, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री हेमन्त राव सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

❐❐

'अतुल्य गंगा परियोजना' का आनलाइन शुभारम्भ

राजभवन : 15 दिसम्बर, 2020

गंगा नदी हमारे देश व हमारी संस्कृति की पहचान व अमूल्य धरोहर है। जीवन दायिनी गंगा भारत की संस्कृति, आध्यात्मिक चिन्तन, जलवायु और अर्थव्यवस्था सभी पर अपनी अमिट छाप छोड़ती है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन से 'अतुल्य गंगा परियोजना' के अन्तर्गत प्रयागराज से प्रारम्भ होकर 10 अगस्त, 2021 तक चलने वाली 5100 किलोमीटर पैदल परिक्रमा का आनलाइन शुभारम्भ करते हुए व्यक्त किये।

अतुल्य गंगा परियोजना' के अन्तर्गत प्रयागराज से प्रारम्भ होकर 10 अगस्त, 2021 तक चलने वाली 5100 किलोमीटर पैदल परिक्रमा का आनलाइन शुभारम्भ करते हुये मा. राज्यपाल।

गोविन्द वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान तथा उ0प्र0 प्रयागराज मेला प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित 'कुम्भ अध्ययन केन्द्र' को आनलाइन सम्बोधित करते हुए मा. राज्यपाल।

विश्वविद्यालय खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा दें

राजभवन : 16 दिसम्बर, 2020

'लिविंग लिजेन्ड्स ऑफ बलिया' फोरम के माध्यम से विश्वविद्यालय ने बलिया की उन विभूतियों को फिर से यहां की मिट्टी से जोड़ने की अनूठी पहल की है, जो फिलहाल यहां से दूर रहकर विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं। ये विचार राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया द्वारा आयोजित 'वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य एवं जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की भूमिका : चुनौतियों एवं संभावनाएं' विषयक संगोष्ठी एवं 'लिविंग लिजेन्ड्स ऑफ बलिया' फोरम की वेबसाइट का राजभवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस फोरम के माध्यम से विश्वविद्यालय बलिया की विभूतियों को अपनी मिट्टी से जुड़ने तथा मधुर स्मृतियों को संजोने का न सिर्फ अवसर प्रदान करेगा, बल्कि मातृभूमि के ऋण से उऋण होने का अवसर भी प्रदान करेगा।

'वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य की भूमिका :चुनौतियों एवं संभावनाएं' विषयक संगोष्ठी एवं 'लिविंग लिजेन्ड्स ऑफ बलिया' फोरम की वेबसाइट का राजभवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण।

राज्यपाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय बलिया के जिस महान विभूति चन्द्रशेखर के नाम पर स्थापित है, उनके पदचिन्हों पर चलकर कार्य करें और शीर्ष पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि बलिया की धरती एक अत्यन्त उर्वर धरती है, जिसने तमाम ऋषि–मुनियों से लेकर स्वाधीनता सेनानियों, साहित्यकारों, विद्वानों, बुद्धिजीवियों और राष्ट्रीय स्तर के नेताओं तक को जन्म दिया है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अपने छोटे–से जीवनकाल में ही कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं, जो प्रशंसनीय है। सीमित संसाधनों और कोरोना से उत्पन्न कठिन परिस्थितियों के बावजूद

विश्वविद्यालय ने निर्धारित समय सीमा के अन्दर नकलविहीन परीक्षा कराई, समय से परीक्षाफल घोषित किया। कुछ पाठ्यक्रमों में सबसे पहले परीक्षाफल घोषित करके इस विश्वविद्यालय ने प्रदेश भर के विश्वविद्यालय के समक्ष एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने कहा कि बलिया जनपद प्राकृतिक जल–स्रोतों से अत्यंत समृद्ध है और यहां मत्स्य उत्पादन की व्यापक संभावनाएं भी हैं। इसके लिए सम्यक प्रशिक्षण और वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग करते हुए मत्स्य उत्पादन में भारी वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अध्ययन एवं शोध को बढ़ावा दिया जाए तो यहां के किसानों की समृद्धि के दरवाजे खुल सकते हैं। परंपरागत कृषि की जगह नवाचारी कृषि का प्रयोग यहां के किसानों का जीवन स्तर बदल सकता है।

राज्यपाल ने बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय को स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्कता है। इसके लिए विश्वविद्यालय समय–समय पर ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं का सर्वेक्षण करें व स्वास्थ्य शिविर लगाएं और जागरूकता अभियान चलाएं।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति स्वदेशी ज्ञान और तकनीक के आधार पर नये भारत को शक्तिशाली बनाने में सहायक होंगे। शिक्षा को भारतीय जनजीवन तथा सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति से भारतीय ज्ञान–शक्ति के सहारे आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

इस अवसर पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया की कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय एवं विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण भी आनलाइन जुड़े थे।

❐❐

"बच्चों के घर की बोली और स्कूल में सीखने की भाषा एक ही होनी चाहिए, ताकि बच्चों को सीखने में आसानी होगी। अभी पांचवीं क्लास तक बच्चों को ये सुविधा मिलेगी। अभी तक शिक्षा नीति व्हाट टू थिंक के साथ आगे बढ़ रही थी, अब हम लोगों को हाउ टू थिंक पर जोर देंगे। आज बच्चों को ये मौका मिलना चाहिए कि बच्चा अपने कोर्स को फोकस करे, अगर मन ना लगे तो कोर्स में बीच को छोड़ भी सके। अब छात्र कभी भी कोर्स से निकल सकेंगे और जुड़ सकेंगे।"

– मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिक्षार्थी में विनम्रता एवं सेवाभाव विकसित करें

लखनऊ : 21 दिसम्बर, 2020

चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानशीलता प्राप्त करना ही नहीं है बल्कि हर शिक्षार्थी के अन्दर विनम्रता एवं सेवाभाव भी होना चाहिये। ये विचार राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के 16वें दीक्षान्त समारोह में कही। उन्होंने कहा कि आज हम सबके लिये ऐतिहासिक दिन है। पांच वर्ष की मेहनत के बाद परिणाम आया। शिक्षकों द्वारा संस्कार, अनुशासन एवं सेवाभाव का जो पाठ सिखाया गया, उसे आपने मन लगाकर सीखा और मेडल भी प्राप्त किये। आप सभी तथा शिक्षक बधाई के पात्र हैं। ये और भी खुशी की बात है कि 44 पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से 21 छात्राएं हैं।

किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का 16वां दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त छात्रों के साथ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

राज्यपाल ने कहा कि पढ़ने–पढ़ाने पर सरकार करोड़ों रूपये खर्च कर रही है। अतः आपको अपनी शिक्षा का उपयोग समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ समाज के लिये करना चाहिये। समाज आपको भरपूर सम्मान देता है। अतः जिस प्रकार शिक्षक का व्यवहार बच्चे के लिये उसका प्रतिबिम्ब होता है उसी प्रकार प्रत्येक मरीज चिकित्सक में भगवान का

रूप देखता है। अतः आप सभी को करूणा एवं संवेदनशीलता के साथ बिना किसी भेदभाव के चिकित्सा सेवा देना चाहिये। उन्होंने कहा कि आज देश में कुल टी0बी0 के मरीजों में से 20 प्रतिशत बच्चे उत्तर प्रदेश में हैं। प्रधानमंत्री ने 2025 तक टी0बी0 मुक्त भारत का सपना देखा है। अतः इस दिशा में हमें लगातार कार्य करना है। उन्होंने चिकित्सकों तथा डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों से आह्वान किया कि सभी कम से कम एक क्षय रोग ग्रसित बच्चे को गोद लें तथा देखभाल करें। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में अब तक 10,000 से अधिक बच्चों को गोद लिया जा चुका है। इनमें से लगभग 6000 बच्चे ठीक हो चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रशासन कम से कम 60 बच्चों को हर साल गोद लेने का संकल्प लें और अगले दीक्षान्त समारोह तक उन्हें स्वस्थ करें। इस अवसर पर राज्यपाल ने 6 टी0बी0 ग्रसित बच्चों को फल वितरित किये। राज्यपाल ने के0जी0एम0यू0 प्रशासन द्वारा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु गोद लिये गये 10 गांव पर प्रसन्नता जाहिर की तथा उम्मीद जतायी कि प्रशासन संजीदगी से इन गांव में चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध करायेगा।

टी0बी0 ग्रसित बच्चों को फल वितरित करते हुए मा. राज्यपाल।

राज्यपाल ने गरीब महिलाओं के स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुये कहा कि आज बड़ी संख्या में ग्रामीण, गरीब एवं अशिक्षित महिलायें ब्रेस्ट कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित हैं। उन्होंने के0जी0एम0यू0 को निर्देश दिये कि कैम्प कर इस सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करने के साथ–साथ उपचार की भी सुविधा दें। उन्होंने कहा कि यदि आप एक महिला की रक्षा करते हैं तो आप एक परिवार को बचाते हैं। अतः इस दिशा में गम्भीरता से कार्य किया जाय। माँ का आशीर्वाद कभी निष्फल नहीं जाता। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता के कारणों पर भी शोध होना चाहिए ताकि हम अपनी पीढ़ी को दिव्यांगता से बचा सकें। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं से कहा कि वे अपनी शिक्षा को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के कार्य में लगाएं साथ ही सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध खड़े हो, ऐसे प्रयास करें कि सौ प्रतिशत डिलीवरी अस्पताल में हो तथा मातृ–शिशु मृत्यु दर कम हो।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश खन्ना, राज्यमंत्री श्री संदीप सिंह एवं शिक्षकगण सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

बायोगैस से ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा

राजभवन : 22 दिसम्बर, 2020

प्रदेश में बायो ऊर्जा, आर्गनिक फर्टिलाइजर मिशन को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिये राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गुजरात के बायो गैस विशेषज्ञ डा0 भरत पटेल द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज कैमिकल फर्टिलाइजर पेस्टीसाइड आदि का बहुतायत से प्रयोग होने के कारण जनसमुदाय विभिन्न गम्भीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। जरूरी है कि आज हम कार्बनिक उर्वरकों के प्रयोग हेतु किसानों को प्रेरित करें। डा0 भरत पटेल ने बताया प्रेसमड, गोबर तथा पराली को मिलाकर बायोगैस सफलतापूर्वक तैयार किया जा सकता है, जिसका उपयोग बायो फर्टिलाइजर, बायोगैस तथा सी0एन0जी0 के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। गौशालाओं में स्थापित कराया जायेगा। साथ ही किसानों को अपने खेतों में आर्गेनिक खाद प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने के साथ–साथ प्रदेश में आर्गेनिक मिशन के तहत ये कार्य प्रत्येक जनपद में किये जायेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे गुजरात जाकर वहां स्थापित विभिन्न बायोगैस प्लांटों को देखें तथा एक कार्य योजना तैयार करें ताकि इसे प्रभावी ढंग से प्रदेश में लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन आर्गेनिक मिशन, अपशिष्ट फ्री फार्मिंग, ग्रीन इनर्जी की सुविधा प्रदान करनी है तथा किसानों की आय दो दुगनी करने के सभी उपाय करने हैं ऐसा करने से ग्रामीण क्षेत्रों का चौमुखी विकास हो सकेगा।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव कृषि डा0 देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री अरविन्द कुमार, अपर मुख्य सचिव पशुधन श्री भुवनेश कुमार एवं विशेष सचिव मुख्यमंत्री सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

मा. राज्यपाल की अध्यक्षता एवं मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गुजरात के बायोगैस विशेषज्ञ डॉ0 भरत पटेल द्वारा प्रस्तुतीकरण।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुये कहा कि इसे सर्वप्रथम प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित

किसान उत्पादक संगठन सभी क्षेत्रों में गठित हो

23 दिसम्बर, 2020

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित संगोष्ठी को राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित करते हुये मा. राज्यपाल।

किसानों को उन्नत कृषि तकनीकी की जानकारी एवं विपणन की उचित व्यवस्था सुलभ कराकर उनकी आय में वृद्धि की जा सकती है। विगत वर्ष में विश्वविद्यालय में अनेक वैज्ञानिक प्रोफेसर्स, छात्र–छात्राएं आये विभिन्न शोध कार्य किये गये होंगे फिर भी 43वीं रैंक विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त किया जाना संतोष का विषय नहीं कहा जा सकता। आप सभी को अपनी कार्यप्रणाली के बारे में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कृषकों को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु आवश्यकताएं अवसर, चुनौतियों एवं क्रियान्वयन अपने उद्‌बोधन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आप सब मिलकर ये तय करें कि विश्वविद्यालय को आगे ले जाने के लिये क्या करना है। उन्होंने सुझाव दिया कि एक से दस तक रैंक प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय की कार्य गतिविधियों का गहनता से अध्ययन करते हुये स्व मूल्यांकन करें तथा कार्य करने हेतु अपने लक्ष्य को निर्धारित करें।

राज्यपाल ने कहा कि किसान उत्पादक संगठन कृषि कार्य के सभी क्षेत्रों में गठित किये जाने चाहिये। इसके लिये हमें तय करना होगा कि एक साल में कितने संगठन बनाने हैं। संगठन में तकनीकी विशेषज्ञ, कृषक विपणन एजेंसियां, युवा तथा कृषक महिलायें सभी वर्गों को शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने सुझाव दिया कि शहद, दुग्ध, मत्स्य, अन्न उत्पादन, तिलहन, दलहन उत्पादक कृषक आदि विभिन्न प्रकार के संगठन बनाये जा सकते हैं।

❐❐

अटल जी लोकतांत्रिक एवं मानवतावादी मूल्यों की प्रतिमूर्ति थे

राजभवन : 25 दिसम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित प्रथम व्याख्यानमाला को राजभवन से आनलाइन सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में स्थापित यह चिकित्सा विश्वविद्यालय अपने आदर्श ध्येय वाक्य 'आरोग्यमेव अटल अमृतम' की भावना से प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थाओं में चिकित्सा ज्ञान का प्रसार और उसकी अभिवृद्धि में सहयोग करता रहेगा।

राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय अटल जी के त्यागपूर्ण नेतृत्व ने अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर देश का जो मान–सम्मान बढ़ाया, वह सदैव याद रखा जायेगा। उन्होंने कहा कि जनसामान्य विशेषकर युवा वर्ग श्रद्धेय अटल जी के आदर्श मूल्यों से प्रेरणा लेकर देश की एकता और अखण्डता को सुदृढ़ करने तथा भारत को विश्व में सर्वाधिक विकसित राष्ट्र बनाने में रचनात्मक भूमिका का निर्वहन करेंगे।

स्वर्गीय अटल जी ने आजादी के बाद भारत की घरेलू एवं विदेश नीति को आकार देने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों की प्रतिबद्धता को हमेशा महत्व दिया।

राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन देश भर में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। अटल जी का मानना था कि जीवन को टुकड़े में नहीं समग्रता में देखना चाहिए। सुशासन तभी आयेगा जब हम समस्याओं के बारे में समग्रता में सोचेंगे ओर उन्हें सुलझाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वास्तव में सुशासन का असली मकसद है कि सुविधाएं सभी नागरिकों तक पहुंचे, सबको अवसर मिले और हर नागरिक सुरक्षित महसूस करे।

इस अवसर पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति लेफ्टिनेन्ट जनरल डा0 बिपिन पुरी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली के निदेशक डा0 रणदीप गुलेरिया, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश के निदेशक प्रो0 आर0 कान्त एवं अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के कुलपति प्रो0 ए0के0 सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग भी आनलाइन जुड़े हुए थे।

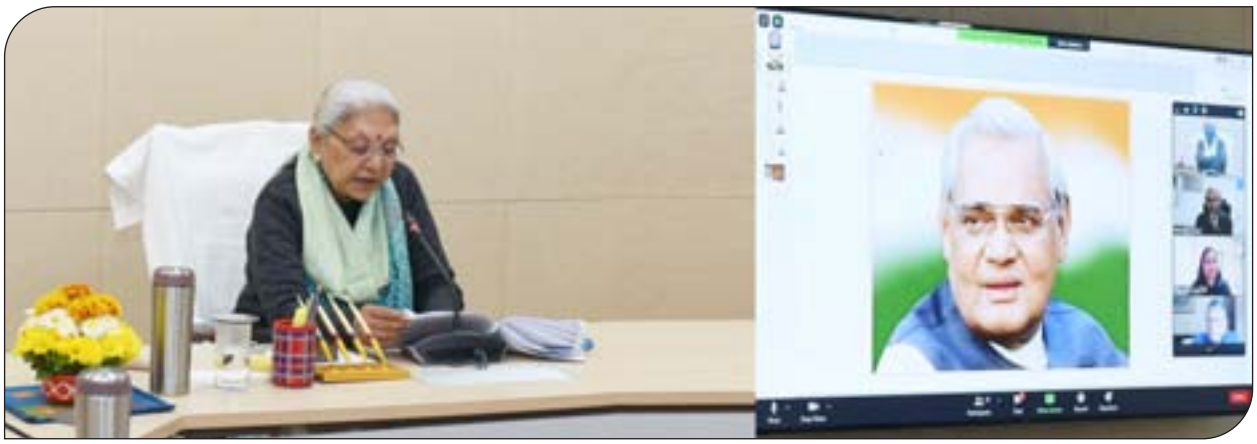

मा. राज्यपाल ने अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय की व्याख्यानमाला को आनलाइन सम्बोधित किया।

माननीय राज्यपाल महोदया की प्रेरणा से राजभवन में खेलकूद प्रतियोगिता

राजभवन : 27 दिसम्बर, 2020

राजभवन खेल प्रतियोगिता 2020 का समापन।

स्वास्थ्य, धन और राष्ट्र के निर्माण में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये हमें शारीरिक रूप से सक्रिय और मजबूत बनाते हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में लगन, नियमितता और धैर्य जैसे गुणों का विकास होता है। खेल का सच्चा आनन्द बाल्यावस्था में ही आता है। बच्चे खेलने से कभी नहीं थकते हैं, खेल चाहे घर का हो, गली मुहल्ले का हो, बच्चों को खेलने के लिये किसी इनाम की चाहत नहीं होती, वह तो बस बच्चों के साथ खेलने में ही आनन्द लेना चाहते हैं, तभी तो नयी शिक्षा नीति में बच्चों के लिये खेल–खेल में शिक्षा की व्यवस्था गयी है और इसी के तहत माननीय राज्यपाल महोदया की प्रेरणा से राजभवन के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके बच्चों, महिलाओं के मध्य सहयोग की भावना व शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहने हेतु।

विगत वर्ष की भांति वर्ष–2020 में भी दिनांक 20.12.2020 से 27.12.2020 तक राजभवन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विगत वर्ष खेल प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त नवीन खेल के रूप में शतरंज एवं बालिकाओं हेतु जूडों को सम्मिलित किया गया। यह महोदया की दूर दृष्टि एवं महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता व उनकी आत्म निर्भरता व सुरक्षा के प्रति चिन्तन का ही परिणाम है, जो राजभवन परिसर में आवासित बालिकाओं हेतु जूडो प्रशिक्षण की व्यवस्था राजभवन प्रांगण में ही की गयी, जिसमें कुल 37 बालिकाओं द्वारा प्रशिक्षण लिया जा रहा है।

इन हाउस राजभवन खेल प्रतियोगिता 2020 में क्रिकेट, वालीबॉल, वालीबॉल सूटिंग, बैडमिंटन, कैरम, टेबल टेनिस, शतरंज, 50 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़, ट्राफी दौड़, जूडो, जूडो रेस, म्यूजिकल चेयर, मटका दौड़, रस्सा–कसी, बैलून गेम, क्रिकेट बाल थ्रो, लेमन एण्ड स्पून रेस तथा बच्चों की जलेबी रेस का आयोजन हुआ। इन खेल प्रतियोगिताओं में

कुल 323 प्रतिभागियों ने सहभाग किया, जिसके प्रदर्शन के दौरान बच्चों व उनके अभिभावकों का उत्साह देखते ही बनता था।

बच्चों व महिलाओं के उक्त खेलों में दर्शक के रूप मे उपस्थित रहकर माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा स्वयं खेलों का आनन्द लिया गया तथा सामयिक निर्देश दिये गये, जो महोदया की अनुशासन, स्वास्थ्य के प्रति सर्तकता एवं खेलों की रूचि दर्शाता है, जो की भारत सरकार के 'खेलेगा इण्डिया तो बढ़ेगा इण्डिया' एवं 'मिशन नारी शक्ति' की भावना के अनुरूप है। इन प्रतियोगिता के द्वारा राजभवन परिसर के सदस्यों के अन्दर सहयोग की भावना एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की प्रवृत्ति एवं बालिकाओं में सुरक्षा की भावना का विकास हुआ।

राजभवन में खेलते हुए बच्चे एवं महिलाएं।

❐❐

"खेल के लिए जो समर्पित लोग होते हैं वो पैसे और प्रसिद्धि के लिए नहीं खेलते उनके अन्दर एक जज्बा होता है। जब अंतर्राष्ट्रीय खेल होते हैं और भारत का खिलाड़ी खेलता है तो वह जूझता है पूरी तरह जी-जान से लगता है। लेकिन जैसे ही वह विजयी होता है उसकी पूरी शारीरिक भाषा बदल जाती है। सारी थकान दूर हो जाती है। जब वह खिलाड़ी हाथ में तिरंगा लेकर दौड़ता है यह सारे हिन्दुस्तान में ऊर्जा और चेतना भर देता है।"

– मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

'सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान' का शुभारम्भ

राजभवन : 2 जनवरी, 2021

क्षय रोग एक गम्भीर बीमारी है ये हम सभी के लिये चुनौती बनी हुई है। इसे हराने के लिये हमे सुनियोजित तरीके से कार्य योजना बनानी होगी। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 2 जनवरी से 12 जनवरी, 2021 तक चलने वाले 'सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान' के शुभारम्भ अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और देश को टी0बी0 मुक्त बनाना है। इसके लिये हमें वृद्धाश्रम, नारीगृह, कारागार, मलिन एवं श्रमिक बस्तियां, आंगनवाड़ी केन्द्र तथा प्राथमिक विद्यालयों में क्षय रोग से ग्रसित मरीजों को गंभीरतापूर्वक चिन्हित करना होगा। राज्यपाल ने कहा कि उचित होगा कि इस अभियान से टी0बी0 के साथ–साथ एच0आई0वी0 तथा कुपोषित बच्चों को भी जोड़ा जायें।

उन्होंने बताया कि वाराणसी में स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से सूची बनाकर कुपोषित एवं क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेकर उसकी देखभाल की गयी। ऐसे बच्चों को अनेक अधिकारियों द्वारा गोद लिया गया तथा उचित देखभाल एवं पोषण के कारण अनेक बच्चे स्वस्थ भी हो गये हैं, ये एक बहुत अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से सभी जिलों के अधिकारियों को इस पुनीत कार्य में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए वे प्रभावित बच्चों तथा उनके माता–पिता से मिलें, संवाद बनाये रखें तथा उनकों मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास करें उनके लिये फल, मिठाई आदि लेकर उनके घर जायें इस प्रकार वे भावनात्मक रूप से जुड़ेंगे और 6–7 माह में अनेक बच्चे टी0बी से बाहर निकल जायेंगे।

2 से 12 जनवरी, 2021 तक चलने वाले 'सक्रिय क्षय रोग खोज अभियान' के शुभारम्भ कार्यक्रम को राजभवन से सम्बोधित करती हुई मा. राज्यपाल।

वाराणसी में ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

वाराणसी : 4 से 6 जनवरी, 2021

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत दिनांक 04 से 06 जनवरी 2021 तक विकास खण्ड सेवापुरी की 249 ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों, 77 मुख्य सेविकाओं एवं 07 बाल विकास परियोजना अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के संगोष्ठी संकुल एंव वाणिज्य संकाय में आयोजित हुआ।

04 जनवरी 2021 को उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मा0 राज्यपाल महोदया ने करते हुये अपने सम्बोधन में कहा गया कि ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियॉ, मातायें एवं अध्यापक दोनों ही हैं, जहां एक ओर बच्चों को जन्म देकर उनका पालन–पोषण करती हैं, वहीं दूसरी ओर जन्म से ही उनको संस्कार भी सिखाती हैं । बाल विकास एवं महिला कल्याण विभाग में गॉव से लेकर शहर तक महिलाओं की कड़ी है। किशोरावस्था से ही महिलाओं को जानकार व कुशल बनाना है। समस्त किशोरियों का हीमोग्लोबीन चेक हो और उनको ठीक रखा जाये। गर्भ के दौरान महिलाओं को कैसे रहना है और क्या खाना है, उनको अवगत कराया जाये। गर्भ संस्कार क्या है, इसकी जानकारी दी जाये। छोटा बच्चा घर में माता पिता की बातचीत और व्यवहार को सुनता है और उसके अपनें व्यवहार में ढालनें का प्रयास करता है। बच्चों के लिये घर में आदर्श कहानियॉ एवं उत्तम चित्र रखने चाहियें। बच्चों में मोबाइल देखनें की आदत न डाले। बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत घर की बनी हुयी चीजों को खिलाया जाये। अंधविश्वासों को छोड़कर उनके स्वास्थ्य खराब होनें पर डाक्टर को दिखायें। उन्होंने कहा कि समाज में फैली सामाजिक कुरीतियॉ जैसे बाल विवाह, दहेज प्रथा का विरोध किया जाना चाहिये। स्वस्थ्य माता, स्वस्थ्य बच्चे, सांस्कारिक शिक्षा, शिक्षित नारी पूरे घर परिवार को अच्छे ढंग से बना सकती है।

जिला प्रशासन एवं विद्या भारती के सहयोग से आयोजित आंगनवाड़ी कार्यक्रम को सम्बोधित करती मा. राज्यपाल।

आंगनवाड़ी प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करती हुई मा. राज्यपाल।

उद्घाटन सत्र के समाप्ति के उपरान्त वाणिज्य संकाय में समस्त प्रशिक्षणार्थियों को कुल 06 समूहों में विभक्त कर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ।

दिनांक 04.01.2021 को प्रशिक्षण सत्र 02, 03 एवं 04 में समस्त 06 समूहों को अलग–अलग सत्रों में भाषा, गीत, कहानी, गणित, कार्यशाला, कौशल विकास, योग शिक्षा, खेल/शारीरिक, विज्ञान पर्यावरण में विद्या भारती द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दिनांक 05.01.20201 को सामूहिक सत्र में मा0 राज्यपाल महोदया द्वारा शिशु की गर्भावस्था, शिशु की दखेभाल एवं बाल पोषण, मातृ शिक्षा, गर्भ संस्कार, किशोरी बालिकाओं, माताओं के स्वास्थ्य, हीमोग्लोबीन, 03 वर्ष तक बच्चों को कैसा भोजन देना चाहिए, बाल विवाह के प्रतिरोध आदि की विस्तार से चर्चा की गयी।

राज्यपाल के द्वारा आयोजित सामूहिक सत्र के प्रशिक्षण के उपरान्त 5 जनवरी को प्रशिक्षण सत्र 05, 06, 07 एवं 08 में समस्त 06 समूहों को अलग–अलग सत्रों में भाषा, गीत, कहानी, गणित, कार्यशाला, कौशल विकास, योग शिक्षा, खेल/शारीरिक, विज्ञान पर्यावरण में विद्या भारती द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

दिनांक 06.01.2021 को प्रशिक्षण सत्र 09 एवं 10 में समस्त 06 समूहों को अलग–अलग सत्रों में भाषा, गीत, कहानी, गणित, कार्यशाला, कौशल विकास, योग शिक्षा, खेल/शारीरिक में विद्या भारती द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

उक्त प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक शिक्षा, सूक्ष्म व्यायाम, मैदान में खेल, लाइन से चलना, टेढ़ा –मेढ़ा चलना, कूद कर आगे–पीछे जाना, बाल्टी में बाल रखना, निशाना लगाना, ईट पर चलना, सिर पर गिलास रखकर चलना, रस्सा–कस्सी का खेल, गुब्बारा फुलाकर गिलास को एक जगह से दसू रे जगह करना, पानी में वस्तुओं को डूबना एवं तैरना सिखाया जाना, कठपुतली के माध्यम से जानवरो, पक्षियों की पहचान करना, हाथों द्वारा पपेट के माध्यम से विभिन्न आकृतियों को प्रदर्शित करना आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

दिनांक 06.01.2021 को अपरान्ह 3.30 बजे से समापन समारोह में उक्त 03 दिवसों में करायें गये

❐❐

हर जिले में एक आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्र हो

राजभवन : 7 जनवरी, 2021

प्रदेश के समस्त जिलों में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से तैयार पोषण सामग्री का वितरण किया जाय। ये निर्देश उत्तर प्रदेश की राज्यपाल द्वारा राजभवन में दिये गये बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के प्रस्तुतीकरण पर सम्बन्धित अधिकारियें को दिये। उन्होंने कहा कि एक टाइम आंगनबाड़ी के बच्चों को पोषण मिलना ही चाहियें, यदि जरूरी हो तो महिला स्वयं सहायता समूहों को अग्रिम भुगतान कर इसकी व्यवस्था की जाय इसके साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर खाना पकाने हेतु जरूरी सामग्री जैसे एल0पी0जी0 गैस, बर्तन तथा खाद्य सामग्री भी दी जाय ताकि गर्म एवं ताजा पौष्टिक आहार बच्चों को उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि जहां कहीं अक्षय पात्र संस्थाएं हैं, वहां पर उनकी सेवाएं ली जा सकती हैं।

राज्यपाल ने कहा कि निर्माण क्षेत्र में जो श्रमिक महिलाएं कार्य कर रही हैं। उनकी भी नियमित जांच की व्यवस्था होनी चाहिए, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं एनीमियां की शिकार हैं। ऐसी गर्भवती महिलाओं से जो बच्चे पैदा होते हैं, वे जन्म से ही कुपोषण के शिकार हो जाते हैं। अतः हमें जच्चा एवं बच्चा दोनों के उचित पोषण पर गम्भीरता पूर्वक ध्यान देना है और इस कार्य के लिये हमें अपने आंगनबाड़ी केन्द्रों को मजबूती देने के साथ–साथ उन्हें आवश्यक संसाधन देने ही होंगे। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उचित प्रशिक्षण भी देना होगा। ये कार्य हमें अच्छी सोच के साथ करने हैं। उचित होगा कि पोषाहार वितरण के समय ग्रामीणों की जनसहभागिता के साथ–साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहें।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्धारा राजभवन में किये गये प्रस्तुतीकरण पर सम्बन्धित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करती हुई मा. राज्यपाल।

आंगनवाड़ी केन्द्रों को खेलकूद सामान, पठन-पाठन सामग्री एवं पौष्टिक आहार का वितरण

लखनऊ : 7 जनवरी, 2021

प्रत्येक जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों में शिक्षा एवं आरोग्य के कार्यक्रम चलाये जाने चाहिये। इस कार्य में भारत सरकार एवं राज्य सरकार आर्थिक मदद दे रही है। आवश्यकता है इस कार्य में प्रत्येक गांव के सम्भ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा सम्पन्न वर्ग को जोड़ने की। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने चिनहट विकास खण्ड, लखनऊ के शाहपुर प्राथमिक विद्यालय स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र पर डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ द्वारा उपलब्ध कराये गये बच्चों को खेलकूद एवं पठन सामग्री तथा गर्भवती महिलाओं हेतु पौष्टिक आहार वितरण के लिये आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। बड़े होकर ये ही देश के सजग प्रहरी बनेंगे। इसलिए इन्हें बचपन से ही उचित शिक्षा, दीक्षा एवं पौष्टिक आहार दिया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में दी जाने वाली सामग्री डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ से सम्बद्ध 26 इंजीनियरिंग कालेजों के सहयोग से प्राप्त की गयी है, जिसका वितरण आज किया जा रहा है। आज के दिन 40 आंगनवाड़ी केन्द्रों को खेलकूद, पठन–पाठन एवं पौष्टिक आहार वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों में खिलौनों के प्रति आकर्षण होता है। अतः वे खेल–खेल में पढ़ना सीखेंगे तथा प्रेरक कहानियों के माध्यम से उन्हें शिक्षा व संस्कार दोनों प्राप्त होंगे।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अभिभावकों से कहा कि वे घर पर ऐसे कोई भी कार्य न करें, जो बच्चे की

चिनहट विकास खण्ड, लखनऊ के शाहपुर प्राथमिक विद्यालय स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र पर महिलाओं एवं बच्चों को सम्बोधित करते हुए मा. राज्यपाल।

आंगनवाड़ी कार्यक्रम में महिला को पुस्तक व उपहार भेंट करते हुए मा. राज्यपाल।

गलत आदत का कारण बनें। बच्चों में ग्रहण करने की क्षमता अधिक होती है। जैसा आचरण आप करेंगे बच्चे उसी से सीखेंगे। उन्होंने कहा कि आजकल बच्चों में नशे की प्रकृति भी बढ़ रही है। हमें अपने बच्चे की गतिविधियों पर भी ध्यान देना चाहिये अन्यथा कुसंगति में पड़कर उनका भविष्य खराब हो सकता है। इसी प्रकार बच्चियों, किशोरियों तथा गर्भवती महिलाओं के लिये भी खान–पान व शिक्षा–दीक्षा में किसी भी प्रकार से भेदभाव नहीं करना चाहिये। बेटियां किसी भी मामले में बेटों से कम नहीं हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं के लिये सरकार द्वारा दिये जा रहे 5000 रूपये की जानकारी लेते रहें। ये धनराशि फल एवं पौष्टिक आहार के क्रय में लगनी चाहिये। यदि जच्चा स्वस्थ हो तो बच्चा भी स्वस्थ पैदा होगा। राज्यपाल ने कहा कि गर्भकाल में उचित पोषण न मिलने के कारण ही कुपोषित बच्चे पैदा होते हैं। राज्यपाल ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकत्री को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि उन्हें गर्भवती एवं बच्चों की बेहतर देखभाल के लिए तैयार किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री प्रभाष कुमार ने बताया कि जनपद में तीन चरणों में ये सामग्री 140 केन्द्रों में वितरित की जायेगी, जिसका शुभारम्भ आज हो गया है। प्रथम एवं द्वितीय चरण में 40–40 केन्द्र तथा तृतीय चरण में 60 केन्द्र पर खेलकूद, पठन–पाठन तथा पौष्टिक आहार का वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आज चिनहट के शाहपुर, सरोजनी नगर के विरूरा, गोसाईगंज के माढरमऊ कला, बी0के0टी0 के सोनवां, मोहनलालगंज के लालपुर, मलीहाबाद के मुजासा–2, काकोरी के दसदोई तथा माल विकास खण्ड के गुम सेना में उक्त सामग्री का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में सांसद श्री कौशल किशोर, विधायक श्री अविनाश त्रिवेदी, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री नन्दलाल सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

महिला सशक्तीकरण का सीधा मतलब उनका आत्मनिर्भर होना

नई दिल्ली : 11 जनवरी, 2021

राष्ट्रीय महिला संसद के आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ाने के साथ समाज में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का वातावरण बनाने का है। यह उद्गार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय महिला संसद के उद्घाटन समारोह में वीडियो कांन्फ्रेसिंग के माध्यम से अपने सम्बोधन में कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महिला संसद का यह मंच समाज की उन महान महिला विभूतियों को, जिन्होंने राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, खेल, कला, संस्कृति, उद्योग, व्यवसायिक तथा मीडिया आदि क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, को अनुभव साझा करने हेतु अवसर प्रदान करता है।

"महिला सशक्तीकरण का सीधा सा मतलब महिलाओं को सामाजिक हाशिए से हटाकर समाज की मुख्यधारा में लाना, निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना, उनमें पराधीनता और हीन भावना को समाप्त करना है।"

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी भी महिला अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते थे। भारतीय राजनीति में गांधी के पर्दापण के साथ महिलाओं के विषय में एक नये नजरिये की शुरूआत हुई।

नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय महिला संसद के उद्घाटन समारोह में वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से सम्बोधित करती हुई मा. राज्यपाल।

2025 तक क्षयरोग भारत से समाप्त करने का संकल्प

बुलंदशहर : 12 जनवरी, 2021

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज जनपद बुलंदशहर की तहसील खुर्जा के निरीक्षण भवन में क्षय रोग से पीड़ित बच्चों को गोद लेने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, अधिकारियों एवं चिकित्सकों के साथ बैठक की।

राज्यपाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों, चिकित्सकों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा क्षयरोग से ग्रसित बच्चों को गोद लेते हुए उन्हें स्वस्थ करने का जो कार्य किया है इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। राज्यपाल ने कहा कि क्षय रोग से ग्रसित मरीज को क्षयरोग से मुक्त कराये जाने के लिए गुड़, चना, मूंगफली, पौष्टिक भोजन, फल आदि उपलब्ध कराया जाए, जिससे शीघ्र ही वे टीबी से मुक्त हो सके।

श्रीमती पटेल ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के संकल्प को साकार करने के लिए हमें अपनी पूर्ण निष्ठा से टीबी रोग से ग्रसितों को स्वस्थ करना है। राज्यपाल ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षिक संस्थाओं को क्षयरोग से पीड़ित बच्चों को गोद देते हुए उन्हें क्षय रोग से मुक्त कराया जाए। इस अवसर पर राज्यपाल ने दिव्यांगों को कम्बल भी वितरित किए।

जनपद बुलंदशहर की तहसील खुर्जा में दिव्यांगों को कम्बल वितरित करतीं मा. राज्यपाल।

जिलाधिकारी ने राज्यपाल को जनपद में क्षय रोग से ग्रसित बच्चों के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 80 प्रतिशत टीबी मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा चुका है। 'टीबी हारेगा देश जीतेगा' अभियान के अंतर्गत क्षय रोगी को खोजते हुए उनको उपचार दिलाये जाने का कार्य किया जा रहा है। जनपद में शेष क्षय रोगियों को गोद लेकर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हुए जनपद को टीबी मुक्त किया जाएगा।

'एक जनपद एक उत्पाद योजना' के अन्तर्गत राज्यपाल ने खुर्जा के नीलकंठ डेकोरेटर मिनहास पॉटरी तथा मार्क इण्डस्ट्रीज का स्थलीय निरीक्षण

मा. राज्यपाल ने खुर्जा में मिनहास पॉटरी उद्योग का स्थलीय निरीक्षण किया।

किया और उन्होंने पॉटरी उद्योग की निर्मित पॉटरी उत्पादों के संबंध में प्रबन्धकों से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर पॉटरी उद्योगों में निर्मित किये जा रहे विभिन्न कलात्मक पॉटरी उत्पादों की प्रोसेसिंग के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिये युवा आगे आयें

अलीगढ़ : 13 जनवरी, 2021

समूह में कार्य करना मानव स्वभाव का हिस्सा है। क्योंकि समाज में रहकर मनुष्य एक दूसरे के सहयोग के बिना कार्य नहीं कर सकता है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद अलीगढ़ के सर्किट हाउस में स्वयं सहायता समूहों तथा हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ के ताले विश्व प्रसिद्ध हैं। प्रदर्शनी के अवलोकन के समय तालों की विभिन्न सुन्दर डिजाइनों को देखकर उन्होंने इसकी प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि 'एक जनपद एक उत्पाद' के तहत प्रत्येक जनपद के विशिष्ट उत्पाद को राज्य सरकार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इस उद्योग में लगी महिलाओं की सुरक्षा के लिये भी उचित उपाय करें।

स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पादों की प्रदर्शनी का निरीक्षण करती हुईं मा. राज्यपाल।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा हस्त शिल्पियों से संवाद के दौरान कहा कि बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए महिलाएं सशक्त पहल करें, जिससे आने वाली पीढ़ी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे और पूरे परिवार एवं समाज का विकास हो सके। राज्यपाल ने कहा कि इसको समझने के लिये महिलाओं को भी खेती के तरीके में समन्वय स्थापित कर एक–दूसरे से संवाद कर अपने कृषि कार्य में कृषि तकनीकी को बढ़ावा देना चाहिए।

राज्यपाल ने आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाली धनराशि 5 लाख रूपये के बारे में भी उपस्थित जनसमुदाय को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने ताला नगरी स्टेट स्पाइडर लॉक्स कम्पनी में एक डाक्यूमेट्री देखी, जिसके माध्यम से उन्होंने देश तथा विदेश में हो रहे व्यवसाय के बारे में जाना।

इस अवसर पर राज्यपाल ने स्पाइडर लॉक्स परिसर में मौलश्री का पौधा रोपित किया तथा फैक्ट्री में गाय एवं बछड़ों को गुड़ व चारा भी खिलाया।

गाय को गुड़ व चारा खिलातीं हुईं मा. राज्यपाल।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पाद सराहनीय

फिरोजाबाद : 14 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने फिरोजाबाद का भ्रमण कर प्रगति इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रीयल स्टेट स्थित कांच की फैक्ट्री का निरीक्षण किया तथा कांच उद्योग से जुड़े उद्यमियों से कारोबार को बेहतर बनाने के लिए विचार–विमर्श किया।

राज्यपाल ने मकर संक्रांति के अवसर पर 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' को प्रोत्साहित करते हुए सुकन्या समृद्धि योजना के अन्तर्गत 500रू0 जमा कराकर खुलवाये गये बैंक खाता पासबुक, बालिका के नाम की नेम प्लेट, बेबी केयर किट आदि को बालिकाओं के माताओं को वितरित किया। राज्यपाल ने फिरोजाबाद में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा समूहों द्वारा तैयार किये गये विभिन्न सजावटी एवं कलात्मक उत्पादों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिलाएं बहुत अच्छा कार्य कर रही हैं। ❐❐

बैंक खाता पासबुक, बालिका के नाम की नेम प्लेट, बेबी केयर किट आदि को बालिकाओं की माताओं को देती हुई मा. राज्यपाल।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई मा. राज्यपाल।

चिकित्सकों द्वारा आपदा में किया कार्य सराहनीय

आगरा : 15 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद आगरा में चिकित्सकों के साथ बैठक के दौरान टी0बी0 रोग के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि टी0बी0 को समाप्त करने के लिये कार्यक्रम को जन आन्दोलन का रूप दिया जाय, जिससे इसे पूर्णतः समाप्त किया जा सके। उन्होंने इस कार्य में आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षित करने पर बल दिया, जिससे वह घर की महिलाओं के बीच जाकर जांच आदि अच्छे से कर सकेंगी और कुपोषित बच्चों व महिलाओं की भी जानकारी हो सकेगी। जब कुपोषण से मुक्ति मिलेगी तो टी0बी0 जैसे रोग की भी सम्भावना कम हो सकेगी और माताओं बच्चों को बचाया जा सकेगा। उन्होंने इस कार्य में समूह की महिलाओं को भी जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने समूह की महिलाओं के ग्रुप बनवाकर कैंसर की जांच कराने को भी कहा।

राज्यपाल ने चिकित्सकों से कहा कि आप सब लोगों ने मिलकर इस आपदा में जो कार्य किया है, वह सराहनीय है। सामूहिक कार्य से सफलता अवश्य मिलती है। इसी का परिणाम है कि आज 130 करोड़ की आबादी होने के बाद भी देश में अन्य देशों जैसी समस्या नहीं हुई है, जिनकी आबादी बहुत ही कम है। उन्होंने कहा कि आपसी सहयोग हमारे संस्कारों में बसा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में आगरा का नाम छाया हुआ है। आगरा को जूता और मार्बल से ख्याति मिली है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ साहसिक कार्य किये जाय तो उसके अच्छे परिणाम मिलेंगे।

बैठक में जिलाधिकारी श्री प्रभु एन0 सिंह ने बताया कि जिन बच्चों को गोद लिया गया था, उनकी लगातार निगरानी की जा रही है और कोविड के समय भी टी0बी0 के मरीजों पर लगातार ध्यान रखा गया।

राज्यपाल ने जनपद आगरा के कोरोना वारियर्स (चिकित्सक) को प्रमाण–पत्र देकर किया सम्मानित किया और उनकी सराहना भी की।

सम्मानित चिकित्सक कोरोना वारियर्स के साथ मा. राज्यपाल।

स्वयं सहायता समूह से समाज में एकता व समरसता

आगरा : 15 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद आगरा भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत औद्योगिक आस्थान शास्त्रीपुरम, सिकन्दरा स्थित स्टोनमैन क्राफ्ट इण्डिया प्रा0लि0 का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टोन वर्क के उत्पादों का अवलोकन करते हुए उसकी बारीकियों के बारे में संस्थान के प्रबन्धक से जानकारी प्राप्त की।

मा. राज्यपाल द्वारा सर्किट हाउस में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन।

राज्यपाल ने सर्किट हाउस, आगरा पर स्वयं सहायता समूह की महिला लाभार्थियों द्वारा तैयार किये गये उत्पादों की प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया। उन्होंने प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान महिलाओं से संवाद करते हुए उनके द्वारा तैयार उत्पादों की सराहना की।

केनरा बैंक तथा बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को स्वीकृत ऋण का प्रतीक चेक देते हुए।

इस अवसर पर राज्यपाल ने केनरा बैंक द्वारा 2 करोड़ 76 लाख एवं बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा 79 लाख रूपये का स्वयं सहायता समूहों को स्वीकृत ऋण का चेक प्रतीक स्वरूप स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दिया।

"महिला सशक्तिकरण की जब हम बात करते हैं तो सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है, महिलाओं को स्वयं की शक्तियों को, अपनी योग्यता को, अपने हुनर को पहचानने का अवसर उपलब्ध कराना। आज आप किसी भी सेक्टर को देखें, तो आपको वहां पर महिलाएं बड़ी संख्या में काम करती हुए दिखेंगी। हमारे देश के ग्रामीण इलाकों में, छोटे उद्यमियों के लिए, श्रमिकों के लिए, स्वयं सहायता समूह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये स्वयं सहायता समूह एक तरह से गरीबों, खासकर महिलाओं की आर्थिक उन्नति का आधार बने हैं। ये ग्रुप महिलाओं को जागरूक कर रहे हैं, उन्हें आर्थिक और सामाजिक तौर पर मजबूत भी बना रहे हैं।"

– मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

छात्र अपनी समृद्धि के साथ गांव-गिरांव को जोड़ें

लखनऊ : 16 जनवरी, 2020

दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के लिए तो विशिष्ट अवसर होता ही है, परन्तु उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए भी यह महत्वपूर्ण क्षण है। विश्वविद्यालय छात्र–छात्राओं को इस कामना के साथ उपाधि प्रदान करता है कि उसके द्वारा तैयार किया गया 'मानव–संसाधन' अब राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा। निश्चित रूप से यह सभी के लिये गौरव प्रदान करने वाला समय होता है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के 18वें दीक्षान्त समारोह में व्यक्त किये। उन्होंने इस अवसर पर 90 पीएच0डी0 उपाधियां तथा वर्ष 2020 के सभी रैंक धारकों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्रदान किये।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब हम तकनीक के क्षेत्र में कुछ बेहतर और नया करेंगे तभी हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ेंगे। विश्व के तेजी से बदलते दौर में आत्मनिर्भरता का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी के क्षेत्र में रचनात्मक कार्य की बहुत सम्भावनाएं हैं। इस दृष्टि से हमारे तकनीकी विश्वविद्यालय केवल शोध और डिग्री बांटने का ही कार्य न करें, बल्कि कौशल विकास पर भी ध्यान दें। इसके लिये विशेष प्रकार के पाठ्यक्रम तैयार किये जाने चाहिये, जो ग्रामीण गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने मे सक्रिय सहयोग कर सकें और ये कार्य हमारे छात्र जिन्होंने आज डिग्री प्राप्त की है, वह ग्रामीण गरीब महिलाओं, कुपोषित बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के 18वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर उपाधि एवं पदक प्राप्त छात्रों के साथ मा. राज्यपाल।

आसानी से कर सकते हैं। अतः आप सभी गांव के समग्र विकास का हिस्सा बनें और अपना योगदान दें। राज्यपाल ने कहा यह विलासिता से सम्भव नहीं है। अतः सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिये विश्वविद्यालयों में विस्तृत चर्चा होनी चाहिये, क्या करें, क्यों करें और कैसे करें, इस पर गहन विचार–विमर्श यदि किया जायेगा तो निश्चय ही विकास का रास्ता खुलेगा तथा शिक्षा एवं तकनीक का प्रयोग करते हुये भी अनेक स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो सकेंगे। यह तभी सम्भव है जब छात्रा अपनी समृद्धि के साथ गांव–गिरांव को जोड़ेगें।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शोध, शिक्षा एवं नवाचारों के अतिरिक्त सामाजिक कार्यों में भी अहम् भूमिका का निर्वाह रहा है। विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध संस्थानों ने कुपोषित एवं टी0बी0 ग्रस्त बच्चों को गोद लेकर उनके पुनर्वास के सफल प्रयास किये हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने प्रदेश में एनीमिया के विरुद्ध प्रतिबद्धता से कार्य करने के लिए 'जान है तो जहान है' जैसे प्रासंगिक कार्यक्रम का आयोजन कर इस क्षेत्र में कार्य करने की प्रतिबद्धता प्रकट की है। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये क्षय रोग ग्रसित बच्चों, श्रीराम अनाथालय

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के 18वें दीक्षान्त समारोह के मौके पर प्राइमरी पाठशाला के बच्चों के साथ मा. राज्यपाल।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पुस्तक 'अलंकृत मातृ शक्ति', एल्युमिनाई ब्रूसर तथा एल्युमिनाई सेल पोर्टल का विमोचन किया तथा ए0के0टी0यू0 परिसर स्थित सेंटर फार स्टडी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब का उद्घाटन भी किया।

के बच्चों तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर के बच्चों को उपहार प्रदान किये।

कार्यक्रम में प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री श्री संदीप सिंह, अपर मुख्य सचिव प्राविधिक शिक्षा श्रीमती राधा एस0 चौहान, कुल सचिव श्री नन्द लाल सिंह, शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

विनोबा जी का सहज और सरल जीवन अध्यात्मिकता और जिज्ञासा का समन्वय

शाहजहांपुर : 18 जनवरी, 2021

आचार्य विनोबा भावे ने गांधी जी के साथ मिलकर देश के स्वाधीनता आन्दोलन में महत्वपूर्ण कार्य किया है। स्वतंत्रता के पश्चात समाज सुधार

गौशाला में गाय को गुड़ खिलातीं हुई मा. राज्यपाल।

के आन्दोलन की शुरूआत की। इस सन्दर्भ में उनके भूदान एवं सर्वोदय आन्दोलन बहुत प्रभावी रहे। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने जनपद शाहजहांपुर में रोजा बरतारा स्थित विनोबा सेवा आश्रम के 40वें स्थापना समारोह दिवस के अवसर सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे जी का स्पष्ट मत था कि नेतृत्व वही सफल हो सकता है जो सबको साथ लेकर चले। विनोबा जी का सहज और सरल जीवन अध्यात्मिकता और जिज्ञासा का समन्वय था।

त्रिमाता उपासना कुटीर में महिला किसानों की समस्याएं सुनती हुईं मा. राज्यपाल।

विनोबा भावे सेवा आश्रम में त्रिमाता उपासना कुटीर का लोकार्पण करती हुई मा. राज्यपाल।

इस अवसर पर राज्यपाल ने त्रिमाता उपासना कुटीर का लोकार्पण किया तथा उन्होंने त्रिमाता उपासना कुटीर में महिला किसानों की समस्या सुनी और निर्देश दिया कि निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना से लाभान्वित किया जाए व उनकी हर सम्भव मदद की जाए। विनोबा भावे सेवा आश्रम में 25 महिला किसानों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने वहां जैविक खेती व केंचुए से खाद बनाने की प्रक्रिया देखी और उसकी सराहना भी की।

राज्यपाल की अध्यक्षता में चौरी–चौरा शताब्दी समारोह की राज्यस्तरीय समिति की बैठक

राजभवन : 20 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की मा0 राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी की अध्यक्षता में राजभवन में 'चौरी–चौरा गोरखपुर शताब्दी समारोह' के सम्बन्ध में गठित राज्य स्तरीय आयोजन समिति की बैठक आहूत की गई। इस अवसर पर मा0 राज्यपाल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा संयुक्त रूप से 'चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव' के 'लोगो' का विमोचन किया गया। बैठक में 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' की कार्य योजना के सम्बन्ध में विचार–विमर्श हुआ।

मा0 राज्यपाल जी ने कहा कि कार्ययोजना बनाकर 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जाए। यह आयोजन लोगों में राष्ट्र भक्ति और देशप्रेम की भावना जगाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि समारोह के कार्यक्रम इस प्रकार से आयोजित किए जाएं कि सभी को चौरी–चौरी की घटना तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सम्बन्ध में समग्र जानकारी प्राप्त हो सके। इन कार्यक्रमों का आयोजन सबके सहयोग से पूरी जनसहभागिता के साथ किया जाए।

मा0 राज्यपाल ने कहा कि चौरी–चौरा की घटना के शताब्दी समारोह पर कार्यक्रमों का आयोजन सराहनीय है। यह कार्यक्रम देश के लोगों में सुरक्षा, स्वाभिमान और स्वदेशी की भावना को

'चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव' के 'लोगो' का विमोचन करती हुईं मा. राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

'चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव' के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में मा. राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल अपने विचार साझा कारतीं हुईं।

और मजबूत करने का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि चौरी–चौरा की घटना पर ऐसा गीत तैयार किया जाए, जिससे इस घटना का सम्पूर्ण सन्देश जन–जन तक पहुंच सके।

मा0 राज्यपाल ने गांवों में शहीद स्मारक निर्मित किए जाने का सुझाव देते हुए कहा कि इन स्मारकों में शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम उल्लिखित किए जाएं। शहीदों के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने वाली पुस्तिकाओं का भी प्रकाशन किया जाए। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में शहीदों की प्रतिमाएं स्थापित करने का भी सुझाव दिया, जिससे विद्यार्थियों को प्रेरणा मिल सके। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिजनों के सम्मान समारोह आयोजित किए जाएं। किसानों सहित ऐसे लोगों का भी सम्मान किया जाए, जिन्होंने गांव में सामाजिक विकास तथा शैक्षणिक उन्नयन आदि के लिए कार्य किया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से स्वातंत्र्य समर का शुभारम्भ हुआ। देश के स्वाधीनता आन्दोलन में सन 1922 की चौरी–चौरा की घटना महत्वपूर्ण कड़ी बनी। इसी प्रकार, काकोरी एवं अन्य घटनाओं ने भी स्वतंत्रता आन्दोलन को दिशा देते हुए सन 1947 में भारत को आजाद कराया।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' 04 फरवरी, 2021 से लेकर 04 फरवरी, 2022 तक आयोजित होगा। चौरी–चौरा की घटना का शताब्दी वर्ष समारोह शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने का अवसर है। 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' के अन्तर्गत वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। राज्य के सभी जनपदों में स्वाधीनता आन्दोलन अथवा देश की रक्षा में शहीद हुए भारत माता के सपूतों के स्मारक स्थित हैं। इन शहीद स्मारकों पर चौरी–चौरा की घटना को केन्द्र में रखते हुए शताब्दी समारोह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इससे चौरी–चौरा की घटना के सम्बन्ध में आम जनमानस सहित युवा पीढ़ी को तथ्यपरक जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' के अवसर पर संचार मंत्रालय, भारत सरकार से डाक टिकट जारी करने का अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' के कार्यक्रम शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सद्भाव, श्रद्धा व सम्मान में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आमजन की सहभागिता से वर्ष पर्यन्त चलने वाले 'चौरी–चौरा शताब्दी समारोह' के कार्यक्रम राष्ट्र भक्ति की भावना जागृत करने में सफल सिद्ध होंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को साकार करेंगे।

इस अवसर पर एम0एस0एम0ई0 मंत्री श्री सिद्धार्थनाथ सिंह, ग्राम्य विकास मंत्री श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह 'मोती सिंह', बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सतीश द्विवेदी, नेता विधान मण्डल, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस श्रीमती आराधना मिश्रा, नेता विधान मण्डल बहुजन समाज पार्टी श्री लालजी वर्मा, संस्कार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमीर चन्द्र, मुख्य सचिव श्री आर0के0 तिवारी, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सचिवालय प्रशासन श्री हेमन्त राव, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 एवं सूचना श्री नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव पर्यटन व संस्कृति श्री मुकेश मेश्राम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

❐❐

बंदी निकेतन में सीखे हुनर से स्वावलम्बी बने

राजभवन : 28 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में गणतंत्र दिवस 2021 के अवसर पर नारी बंदी निकेतन कारागार से रिहा होने वाली 24 महिला कैदियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुये साड़ी, शाल तथा मिठाई भेंट की। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि आज आप सभी कारागार से मुक्त होकर अपने परिवार के पास जा रही हैं। आपको संकल्प लेना चाहिये कि जिस किसी कारण से आपसे अपराध हो गये हैं उनकी अब कभी पुनरावृत्ति नहीं करेंगी साथ ही राज्यपाल ने कहा कि कारागार में आपने अपनी–अपनी रूचि के अनुसार हुनर सीखे हैं। उनके आधार पर आपको अपनी जीविका के साथ–साथ परिवार के लोगों को भी ये हुनर सिखाना है ताकि वे भी हुनर सीख कर स्वावलम्बी बन सकें। इसके साथ ही परिवार तथा समाज को भी आवेश एवं क्रोध के कारण होने वाले अपराधों से रोकें।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज आप सभी के खातों में कारागार विभाग द्वारा आपके द्वारा कमाई धनराशि आप सबके खाते में डाल दी गयी है। इसका उपयोग आपको बड़ी ही सावधानी से करना है ताकि उसका कोई दुरूपयोग न कर सके। उन्होंने कहा कि उचित होगा कि अपनी आय की धनराशि अपने बच्चों की पढ़ाई–लिखाई में उपयोग करें। राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार हुनरमंदों के लिए अनेक योजनाएं भी चला रही है, जिनका लाभ लेकर अपने परिवार की आमदनी बढ़ाने में भी आय सहायक हो सकती है।

गणतंत्र दिवस 2021 के अवसर पर नारी बंदी निकेतन कारागार से रिहा होने वाली 24 महिला कैदियों को मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुये साड़ी, शाल तथा मिठाई भेंट करते हुए मा. राज्यपाल।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राज्यपाल श्री महेश कुमार गुप्ता, अपर मुख्य सचिव गृह श्री अवनीश अवस्थी, महानिदेशक कारागार श्री आनंद कुमार, अपर महानिदेशक जेल शरद कुमार कुलश्रेष्ठ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

❐❐

विश्वविद्यालय शिक्षण कार्य के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े

कानपुर : 29 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर के द्वितीय दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षण कार्यो के साथ–साथ सामाजिक सारोकार के कार्यो से जुडे।

हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर के दीक्षांत समारोह में प्राइमरी पाठशाला के बच्चों के साथ मा. राज्यपाल।

उन्होंने कहा कि बालिकाओं के शिक्षण कार्य को बढावा दिये जाने, कुपोषण को समाप्त करने तथा अन्य सामाजिक कार्यो हेतु विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट तैयार कर उसी के अनुरुप कार्यवाही करे। उन्होंने उपाधि धारक छात्र–छात्रओं को उपाधियॉ वितरित कर बधाई देते हुए कहा कि वह अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयत्नशील रहे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक दिन ऐसा होना चाहिए कि स्कूली बच्चे विश्वविद्यालय का भ्रमण करे ताकि वह पठन–पाठन हेतु और अधिक प्रेरित हो सके। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय, जागेश्वर मन्दिर, कानपुर के 15 विद्यार्थियों को प्रेरणा दायी पुस्तकें एवं फल वितरण किया गया। बी०टेक0 के 445, एम0सी0ए0 के 55 एवं एम०टेक0 के 72 छात्र–छात्राओं को डिग्रियॉ प्रदान की गयी।

मेधावी विद्यार्थियों के साथ मा. राज्यपाल।

महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और उसका सही दिशा में सदुपयोग करें

कानपुर : 29 जनवरी, 2021

कृषक महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्वि दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारम्भ चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रांगण में मुख्य अतिथि प्रदेश की माननीया श्री राज्यपाल, उ0प्र0, श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं महिला किसानों को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि भारत में कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा क्षेत्र है और इस क्षेत्र में महिलाओं एवं पुरुषों के सहयोग से अधिक कार्य हो रहा है। कृषि के साथ–साथ पशु पालन कार्य भी किया जाता है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से कहा कि वह अपनी बेटे–बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें, उन्होंने बेटियों को आवश्यक रुप से शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुये कहा कि बेटियां शिक्षित होगी, तो आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं किसी रोजगार व कार्य करके आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सकती है, उन्हें किसी दूसरे के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेटियों/किशोरियों को कुपोषण से मुक्त करना है।

"ग्रामीण महिलायें अपने बेटे–बेटियों को पढ़ाने का संकल्प लें, बेटियां शिक्षित होगी, तो आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं किसी रोजगार व कार्य करके आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सकती है, उन्हें किसी दूसरे के ऊपर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।"

उन्होंने कहा कि महिलायें को शारीरिक रुप से सशक्त होना चाहिये। उन्होंने कहा कि बेटा–बेटी में कोई भेद–भाव नही करें और समान रुप से उनके शिक्षा व पालन पोषण का संकल्प लें। महिलायें अपनी शक्ति को पहचानें और उसका सही दिशा में सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 में स्वयं सहायता समूह प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं।

'कृषक महिला सशक्तीकरण के अन्तर्गत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा व ग्राम्य समृद्धि' दो दिवसीय संगोष्ठी के शुभारम्भ अवसर पर अपने विचार रखती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

महिलायें आत्मनिर्भर होकर मिशाल कायम करें

उन्नाव : 30 जनवरी, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने अपने जनपद उन्नाव के भ्रमण कार्यक्रम में पुलिस लाइन में कृषि एवं विकास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल ने महिला स्वयं सहायता समूह दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत नवदुर्गा महिला एवं पूजा महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित कपडे के झोले, शाल, जरी आदि के काम को बहुत ही बारीकी से देखा। उन्होंने उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से जानकारी की कि महिलाओं द्वारा तैयार किये जाने वाले माल की बिक्री से कितना लाभ होता है।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत वर्ष 2020–21 तक लाभार्थियों की पात्रता आदि के बारे में परियोजना निदेशक ग्राम विकास अभिकरण से विस्तार से जानकारी ली। उद्यान विभाग द्वारा अमरूद, मौन पालन, फूलों की खेती, जैविक खेती के आर्थिक लाभ के बारे में उपस्थित किसान शान्तनु शुक्ला, अजित सिंह तथा राजू सिंह से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ की जानकारी ली जिस पर किसानों ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की महात्वकाक्षीं योजना के तहत बेहतर सेवायें, पौष्टिक आहार, संसाधन सरंक्षण, खद्यान्न दक्षता में बढ़ोत्तरी, रोजगार सृजन, किसान सगठनों को बढावा तथा जैविक विविधता संरक्षण प्रदान करने हेतु यू0पी0 डास्प से किसानों का बहुत लाभ हुआ है। राज्यपाल ने कृषि विभाग द्वारा परम्परागत कृषि योजना के अन्तर्गत जैविक खेती योजना के उत्पाद के विपणन एवं ब्राण्ड को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगायी गयी प्रदर्शनी स्टाल का निरीक्षण किया, जिसमें मूंगफली की फसल, काला नमक चावल, बाजरा, उगायी गयी सब्जी के बारे में बारिकी से जानकारी ली। इसी दौरान सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन योजना के अन्तर्गत कष्टम हायरिंग सेन्टर स्थापना हेतु राज्यपाल की प्रेरणा से श्रीमती शीला सिंह ग्राम भौली ब्लाक नवाबगंज को टैक्टर की चाभी प्रदान कर लाभान्वित किया गया।

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन योजना के अन्तर्गत श्रीमती शीला सिंह को टैक्टर की चाभी प्रदान करती हुई मा. राज्यपाल।

राज्यपाल ने कहा कि 2025 तक देश व प्रदेश सरकार भारत को क्षय रोग से मुक्त कराना चाहती है। विधायकगण, उद्यमी, जन सामान्य, प्रशासनिक अधिकारी एवं स्वयं सेवी संस्थायें आगे आकर टी0बी0 रोगियों को गोद लें और उनकी देखभाल हेतु पौष्टिक आहार की व्यवस्था कर उन्हें स्वस्थ्य बना सकते है। उन्होंने बताया कि राजभवन में 25 ऐसे मरीजों को गोद लिया था, जो आज स्वस्थ्य है। उन्होंने कहा कि मैं चाहती हूँ कि उन्नाव जनपद

ऐसा जनपद बने जिसमें अधिक से अधिक ऐसे मरीजों को गोद लेकर प्रथम स्थान पर आये। इसी निमित्त उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने जिले के सभी अधिकारी, उद्योग पति, पुलिस व अन्य लोग ऐसे बच्चों को चिन्हित कर गोद लें। इस क्रम में विधायक मोहान श्री बृजेश रावत ने 12 मरीज को गोद लेने की बात कही, उद्योग के अध्यक्ष श्री जे0एन0 मिश्रा ने ऐसे सभी चिन्हित मरीजों को गोद लेने को कहा। इस अवसर पर जिला टीबी फोरम के 07 सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

राज्यपाल ने उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को आत्म निर्भर व समाज में बराबरी का स्थान दिलाये जाने के उद्देश्य से केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं में स्वयं सहायता समूह का गठन करके परिवारों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी एवं स्थिति को मजबूत करने पर जोर दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि आज महिलाओं में सकारात्मक सोच आ रही है। उनकी प्रतिभा कौशल को जोड़ कर कार्य किया जा रहा है। राज्यपाल ने जरी जरदोजी, टेक होम राशन परियोजना, सामुदायिक शौचालय, मिलयन सेल्स परियोजना, स्किल ट्रेनिंग, एक ग्राम पंचायत, एक वीसी, सिटीजन इनफार्मेशन बोर्ड तथा प्रेरणा कैन्टीन, स्कूल ड्रेस, सरस मेला, आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेस योजना, ड्राई राशन वितरण में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा की जा रही भागीदारी एवं कार्यों के बारे में जानकारी ली। राजपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि पूरी गतिविधियां महिलाओं के द्वारा हो रही है। महिलायें मेहनत करके 8–9 हजार रूपये कमा रही है। महिलायें आत्म निर्भर बन रहीं हैं। घर से बाहर निकल कर अपने हुनर के अनुसार कार्य कर रही है।

राज्यपाल ने जिला जेल का औचक निरीक्षण कर बन्दी महिलाओं की व्यवहारिक कठिनाईयों तथा जिला जेल से मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिये कि महिला अधिकारों के तहत दिये जाने वाले कानूनों के तहत कार्य किया जायें।

जिला जेल का औचक निरीक्षण कर बन्दी महिलाओं की व्यवहारिक कठिनाईयों तथा जिला जेल से मिल रही सुविधाओं की जानकारी लेती हुई मा. राज्यपाल।

छायाचित्रों में राजभवन की गतिविधियां

07 नवम्बर, 2020

स्काउट एवं गाइड दिवस पर राजभवन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को स्टीकर (झण्डा) लगाते स्काउट एवं गाइड के पदाधिकारी।

12 नवम्बर, 2020

मा. राज्यपाल ने राजभवन में इलायची का पौधा रोपित किया।

14 नवम्बर, 2020

मा. राज्यपाल को अपर मुख्य सचिव राज्यपाल, श्री महेश कुमार गुप्ता दीपावली की बधाई देते हुए।

दीपावली के उपलक्ष्य में आउटसोर्सिंग कर्मी को उपहार भेंट करते हुए राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

21 नवम्बर, 2020

दीपावली के मौके पर राजभवन कर्मी के बच्चे को मिष्ठान देती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

21 नवम्बर, 2020

मा. राज्यपाल अपने जन्मदिन के अवसर पर कपूरथला स्थित हनुमान मन्दिर में पूजा अर्चना करते हुये।

21 नवम्बर, 2020

राजभवन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे जूड़ो खिलाड़ियों के साथ मा.राज्यपाल एवं मा. मुख्यमंत्री।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्मदिन की बधाई दी।

22 नवम्बर, 2020

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर से पदयात्रा कर राजभवन आये दल को सम्बोधित करतीं हुईं मा. राज्यपाल।

23 नवम्बर, 2020

पुलिस झण्डा दिवस के उपलक्ष्य में मा. राज्यपाल को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पुलिस महानिदेशक श्री हितेश चन्द्र अवस्थी

26 नवम्बर, 2020

संविधान दिवस पर राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मूल कर्तव्यों के पालन की शपथ दिलाते हुए मा. राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री महेश कुमार गुप्ता।

12 दिसम्बर, 2020

दैनिक जागरण समूह द्वारा आयोजित कोविड-19 वारियर्स अवार्ड-2020 के सम्मानित कोरोना वारियर्स के साथ राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

16 दिसम्बर, 2020

लायन्स क्लब ऑफ कानपुर गैन्जेज संस्था की देख-रेख में ठीक हुए मूक बधिर बच्चों से बातचीत करते हुये मा.राज्यपाल।

18 दिसम्बर, 2020

उत्तर प्रदेश की मा. राज्यपाल लखनऊ राजभवन में बिहार के मा. राज्यपाल श्री फागू सिंह चौहान से भेंट की।

19 दिसम्बर, 2020

श्री राधेकृष्ण द्वारा लिखित पुस्तक 'योगी आदित्यनाथ के ओजस्वी विचार' का विमोचन करती मा. राज्यपाल व अन्य।

01 जनवरी, 2021

नववर्ष के मौके पर राज्यपाल से अपर मुख्य सचिव मा. राज्यपाल, श्री महेश कुमार गुप्ता भेंट करते हुए।

01 जनवरी, 2021

नववर्ष के अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिजनों को सम्बोधित करते हुए मा. राज्यपाल।

06 जनवरी, 2021

राजभवन के दैनिक श्रमिकों तथा आउटसोर्सिंग कर्मियों को कम्बल तथा फल एवं सब्जी वितरित करती हुई मा. राज्यपाल।

संस्था संस्कृत भारती की पुस्तक 'अवध सम्पदा' का राजभवन में विमोचन करती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

15 जनवरी, 2021

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने श्री दत्तात्रेय जी को राम मंदिर निर्माण के लिए 2 लाख 1 रुपये का दान दिया।

17 जनवरी, 2021

नवनियुक्त ए.डी.सी. श्री अभिषेक वर्मा ने मा. राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट कर पद का राजभवन में कार्यभार ग्रहण किया।

17 जनवरी, 2021

एल0आई0 सी0 के बीमा योद्धाओं (अभिकर्ताओं) के साथ मा. राज्यपाल।

20 जनवरी, 2021

मा. राज्यपाल को पुस्तक '1857 का स्वातंत्रय समर' भेंट करते हुए मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

25 जनवरी, 2021

मा. राज्यपाल को पुस्तक 'डा0 आंबेडकर और जोगेन्द्रनाथ मंडल' भेंट करते हुए मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

26 जनवरी, 2021

गणतंत्र दिवस–2021 के अवसर पर राजभवन में सलामी देती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

गणतंत्र दिवस–2021 के अवसर पर विधान भवन पर सलामी देती हुई राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

गणतंत्र दिवस परेड–2021 में प्रतिभाग करने वाली थारू जनजाति की बालिकाएं इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय निदेशक, डा0 मनोरमा सिंह के संरक्षण में राजभवन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की।

30 जनवरी, 2021

शहीद दिवस के अवसर पर बापू के प्रिय भजन प्रस्तुत करते हुए राजभवन परिवार के बच्चे।

30 जनवरी, 2021

शहीद दिवस के अवसर राजभवन में मौन धारण कर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

समाचार पत्रों में राजभवन की गतिविधियां

कितने पार्षदों ने अपने इलाके में आंगनबाड़ी में कुपोषित बच्चों का हाल जाना : राज्यपाल

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम सदन की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि मुझे आज तक नहीं पता राजभवन जिस क्षेत्र में है, उसका पार्षद, विधायक और सांसद कौन है। मैं उनको बुलाना चाहती हूं। आज तक कोई पार्षद मुझसे मिलने नहीं आया। पार्षदों के पास ऐसे कई काम हैं, जो बिना पैसे हो सकते हैं। पार्षद, विधायक और सांसद को अपने-अपने क्षेत्र के अस्पताल में भर्ती रोगियों, गर्भवती महिलाओं से मिलना चाहिए। उनको सरकार से योजना का लाभ मिल रहा या नहीं इसकी जानकारी भी लेनी चाहिए।

राज्यपाल ने पार्षदों से पूछा कि कितने पार्षदों ने अपने इलाके में आंगनबाड़ी में कुपोषित बच्चों का हाल जाना है। सभी को प्राथमिक स्कूल जाना चाहिए। यह भी देखें कि कितनी महिलाओं को अस्पताल में डिलीवरी हो पा रही है। आयुष्मान योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं। इसके लिए कैंप लगवाएं। अलग-अलग इलाकों में डोनेशन देने वाले मिल जाएंगे। आप उनसे आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के लिए कुर्सी ले सकते हैं। सारे काम राज्य सरकार नहीं कर सकती। नगर निगम में नगर का मतलब न से नल, ग से गटर और र से रोड होता है। वहीं नगर निगम सदन के तीन साल पूरे होने पर मेयर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि महिला शक्ति मिशन के तहत महिला महाविद्यालय खोला जाएगा। गरीब महिलाओं को रोजगार मिलेगा। फोन मार्केट सहित निगम की अन्य सम्पत्तियों का निस्तारण होगा। स्वच्छता की रैंकिंग में नंबर एक पर लाने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा निस्तारण के लिए वाहन खरीदेंगे। कार्यक्रम में कैलाश खेर की आवाज में नगर निगम के थीम सांग की भी लॉन्चिंग हुई। वहीं, राज्यपाल ने निगम के आठ सफाई कर्मियों संतोष कुमार, रेनू, पप्पू, अनीता, गड्डू, चम्पा, ओम प्रकाश को कोरोना योद्धा से सम्मानित किया।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को सामाजिक शोधों की जरूरत

सहारा न्यूज ब्यूरो
लखनऊ।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सामाजिक शोधों की बहुत जरूरत है। श्रीमती पटेल ने आज राजभवन से गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान तथा प्रयागराज मेला प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित 'कुम्भ अध्ययन केन्द्र' का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए कहा कि कुम्भ जैसे महत्वपूर्ण आयोजन के लिए अभी तक देश में कोई शोध केन्द्र नहीं था। यह केन्द्र कुम्भ मेले से सम्बद्ध शोध, अभिलेखीकरण एवं ज्ञान-विमर्श पर आधारित होगा।

उन्होंने कहा कि संस्थान की उच्च स्तरीय फैकल्टी एवं उनका शोध अनुभव जनमानस को कुम्भ की परम्पराओं व विरासत को समझने की एक नई दृष्टि देगा। राज्यपाल ने कहा कि 'कुम्भ अध्ययन केन्द्र' केन्द्र व राज्य सरकार के नीति निर्धारकों के लिए एक डाटाबेस का कार्य करेगा, जो कुम्भ मेले में आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बेहतर संयोजन होगा। उन्होंने कहा कि यह केन्द्र प्रयागराज के कुम्भ क्षेत्र और इसके आस-पास के क्षेत्र में स्थित छोटे-छोटे तीर्थों के डाक्यूमेंटेशन का कार्य भी करेगा। इससे देश और विदेश से आने वाले पर्यटक प्रयागराज के सांस्कृतिक स्वरूप को और बेहतर तरीके से जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि कुम्भ मेले को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। इस अवसर संस्थान के निदेशक प्रो. बद्री नारायण एवं सभी संकायों के सदस्य ऑनलाइन जुड़े हुए थे।

कुर्सी पर नहीं रहेंगे ठीक से काम न करने वाले कुलपति

आनंदीबेन पटेल

आंगनबाड़ी केंद्र गोद लें उद्यमी : आनंदीबेन

प्रदेश टीबी मुक्त करने का लक्ष्य

किसी के बहकावे में न आएं किसान : आनंदी बेन

पंडितजी को अर्पित किये श्रद्धासुमन

समाचार पत्रों में राजभवन की गतिविधियां

लैब से लैंड तक पहुंचाएं कृषि तकनीक : राज्यपाल

राज्यपाल ने दैनिक कर्मियों को कम्बल वितरित किए

राज्यपाल आनंदीबेन व सीएम योगी ने दी गणतंत्र दिवस की बधाई

प्रतिभा का सम्मान

आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र बनाए जाएं:राज्यपाल

आधुनिक संग पारंपरिक चिकित्सा विज्ञान का करें विकास

राज्यपाल ने खुर्जा में पाटरी उद्योग का निरीक्षण किया

टीबी रोग से मुक्ति के लिए बच्चों को दें पौष्टिक आहार

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को जनपद बुलंदशहर की तहसील खुर्जा के निरीक्षण भवन में क्षय रोग से पीड़ित बच्चों को गोद लेने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं, अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ बैठक की। राज्यपाल ने कहा कि क्षय रोग से ग्रसित मरीज को क्षयरोग से मुक्त कराए जाने के लिए गुड़, चना, मूंगफली, पौष्टिक भोजन, फल आदि उपलब्ध कराया जाए, जिससे शीघ्र ही वे टीबी से मुक्त हो सकें। राज्यपाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जिला स्तरीय अधिकारियों, चिकित्सकों व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा क्षयरोग से ग्रसित बच्चों को गोद लेते हुए उन्हें स्वस्थ करने का जो कार्य किया है इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। श्रीमती पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने के लिए हमें अपनी पूर्ण निष्ठा से टीबी रोग की बीमारी को समाप्त करना है। राज्यपाल ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षिक संस्थाओं को क्षयरोग से पीड़ित बच्चों को गोद देते हुए उन्हें क्षय रोग से मुक्त कराया जाए।

मा. राज्यपाल की प्रेरणा से राजभवन में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगितायें

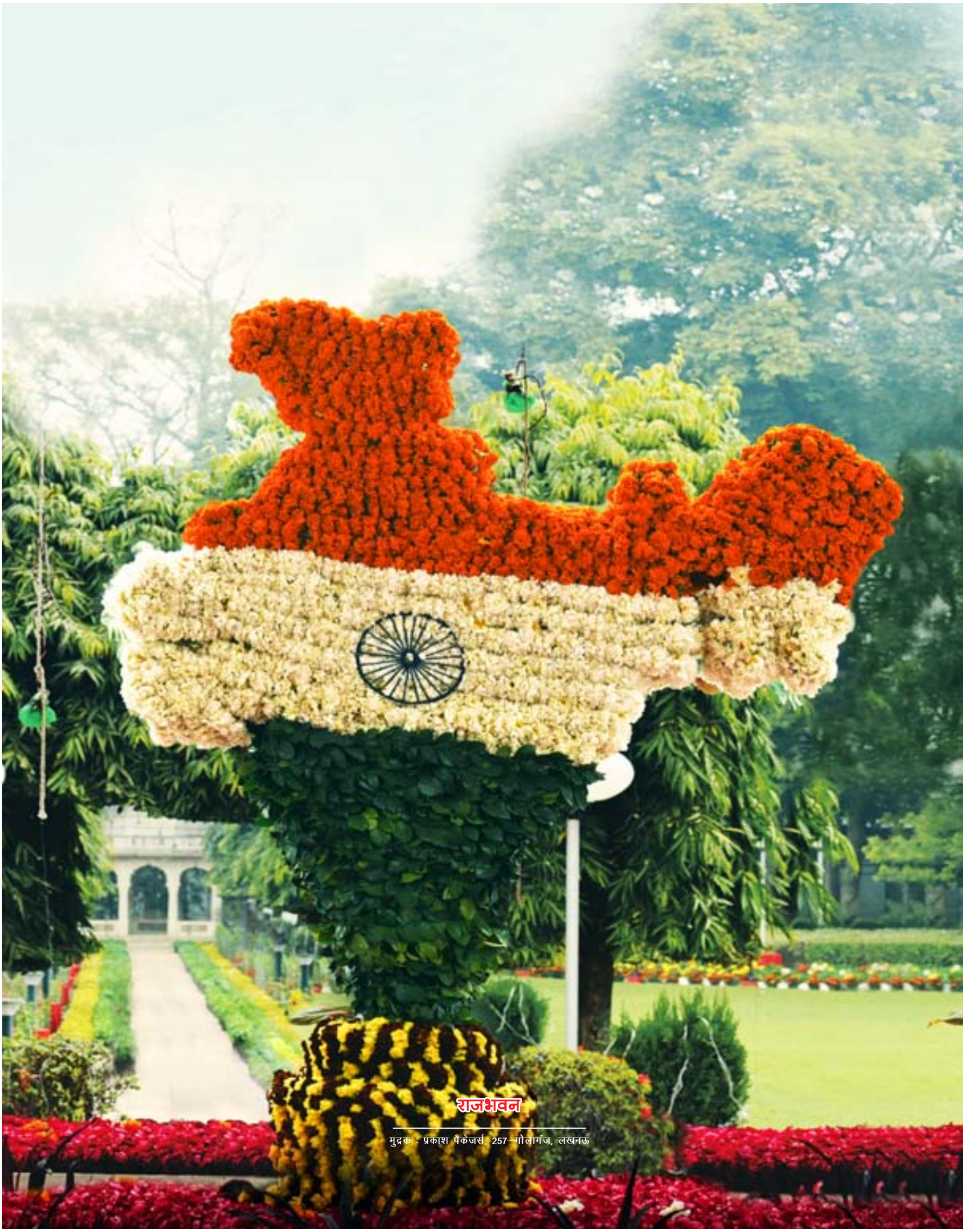

राजभवन

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, 257–गोलागंज, लखनऊ